सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

घरेलू उपायों से करें कॉर्न्स का इलाज पेज: 7

ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर काफी खुश हैं पेज: 8

वर्ष : 03 | अंक : 90 | शुक्रवार 03 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

भारी बारिश के कारण आदि कैलाश यात्रा स्थगित, अगले आदेश तक इनर लाइन परमिट पर भी रोक

पिथौरागढ़: उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्र में मानसून के सक्रिय होने और लगातार हो रही तेज बारिश के मद्देनजर जिला प्रशासन ने एहतियातन आदि कैलाश एवं ओम पर्वत यात्रा को स्थगित कर दिया है। पिथौरागढ़ जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार इनर लाइन परमिट के निर्गमन को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय यात्रियों और वाहनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। प्रशासन ने कहा गया है कि मौसम सामान्य होने और मार्गों की स्थिति की समीक्षा के बाद ही परमिट जारी करने पर निर्णय लिया जाएगा। प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए असुविधा पर खेद भी व्यक्त किया है। बुधवार तक यात्रा के लिए 52,441 इनर लाइन परमिट जारी किए जा चुके हैं।

भारत-जापान फोरम: पीएम मोदी का बड़ा लक्ष्य, 10 ट्रिलियन येन के निवेश से दोगुनी होंगी कंपनियां

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली में आयोजित भारत-जापान संयुक्त आर्थिक मंच के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने हरियाणा के खरखौदा में मारुति सुजुकी के चौथे वाहन निर्माण प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जापान के आर्थिक संबंध बेहद खास हैं और यह नया प्लांट हमारी इसी साझेदारी का एक चमकता हुआ उदाहरण है। दुनिया की सुजुकी कारें भारत में बन रहीं पीएम मोदी ने मंच को संबोधित करते हुए एक बड़ा आंकड़ा साझा किया। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में बिकने वाली सुजुकी की कुल कारों में से दो-तिहाई कारें अकेले भारत में बनाई जाती हैं, जिन्हें यहां से 100 से अधिक देशों में भेजा

किया) जाता है। पीएम ने कहा, "जब जापान की तकनीक और निवेश, भारत की रफ्तार और बड़े पैमाने के साथ मिलते हैं, तो इससे पूरी दुनिया को फायदा होता है।" उन्होंने इस मंच से जुड़ने वाले नए जापानी व्यापारियों का भी स्वागत किया। भारतीय अर्थव्यवस्था का बदल रहा है डीएनए वैश्विक आर्थिक मंदी और व्यापारिक अनिश्चितता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब हालात मुश्किल होते हैं, तब मजबूत लोग ही आगे बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.7% रही है, जो इसे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाती है। पीएम ने

भारत-जापान की मजबूत आर्थिक साझेदारी का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम सनाए तकाइची ने हरियाणा में मारुति सुजुकी के नए प्लांट का उद्घाटन किया, जो भारत-जापान की मजबूत आर्थिक साझेदारी का प्रतीक है। इस मौके पर पीएम मोदी ने अगले दशक में 10 ट्रिलियन येन के जापानी निवेश का लक्ष्य रखते हुए भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताया।

कहा कि पिछले 12 सालों में भारत ने जापान की काइजेन (लगातार सुधार करने की) सोच को अपनाया है, जिससे देश का आर्थिक डीएनए बदल रहा है। जापानी कंपनियों के लिए जापान बिजनेस वीक का ऐलान व्यापार को और आसान बनाने के लिए पीएम मोदी ने एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय जल्द ही एक विशेष जापान बिजनेस वीक का आयोजन करेगा। इसमें पीएमओ के सीनियर अधिकारी जापानी बिजनेस लीडर्स के साथ सीधी बातचीत करेंगे ताकि उनकी समस्याओं को समझकर उन्हें दूर किया जा सके। उन्होंने बताया कि जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन के सर्वे में भी पिछले 4 सालों से भारत को जापानी बिजनेस के लिए सबसे भरोसेमंद देश माना गया है। 10 ट्रिलियन येन के निवेश का लक्ष्य प्रधानमंत्री ने जापानी कंपनियों के सामने एक बड़ा लक्ष्य रखते हुए कहा कि दोनों सरकारों के बीच पूरा भरोसा और तालमेल है, लेकिन अब इसे नतीजों में बदलने की जिम्मेदारी व्यापारियों की है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि आने वाले एक दशक में भारत में जापान का निवेश 10 ट्रिलियन येन को पार कर जाए और भारत में काम करने वाली जापानी कंपनियों की संख्या दोगुनी हो जाए। दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा, एआई, रक्षा, स्वास्थ्य और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मिलकर काम करने का फैसला किया है।

अयोध्या राम मंदिर दान घोटाला : वाराणसी की सुरक्षा एजेंसी से जुड़े तार, हाउसकीपिंग स्टाफ से कराई जा रही थी नोटों की गिनती

अयोध्या एजेंसी: अयोध्या के भव्य श्री राम मंदिर में चढ़ावे और दान की कथित चोरी के मामले में चल रही जांच में एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ आया है। जांचकताओं को इस पूरे मामले का एक 'वाराणसी कनेक्शन' मिला है। इस खुलासे के बाद अब जांच का दायरा केवल एक मामूली चोरी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि जांच एजेंसियां अब मंदिर के दान प्रबंधन, आउटसोर्सिंग सिस्टम, बैंकिंग प्रक्रियाओं और सुरक्षा कर्मियों की भर्ती में हुई गंभीर चूक की गहराई से पड़ताल कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में से छह वाराणसी स्थित एक निजी सुरक्षा फर्म, सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के पेरोल पर थे। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने अयोध्या में स्टेट

बैंक ऑफ इंडिया की न्यू घाट शाखा को कर्मचारी उपलब्ध कराए थे। बैंक ने कथित तौर पर कैश गिनने के काम में मदद के लिए 19 कर्मचारियों की मांग की थी। वाराणसी स्थित एजेंसी ने कर्मचारियों की भर्ती की और उन्हें रइक में तैनात किया, जिसके बाद उन्हें राम मंदिर में प्राप्त दान को गिनने और संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई। जांचकताओं को संदेह है कि ये कर्मचारी कथित तौर पर दो मुख्य आरोपियों, अनिल मिश्रा और टिन्नू यादव के करीबी सहयोगी थे। हाउसकीपिंग के लिए रखे गए कर्मचारियों को कथित तौर पर कैश संभालने का काम सौंपा गया जांच के अनुसार, एजेंसी ने भर्ती किए गए सभी 19 कर्मचारियों को तैनाती के लिए रइक टीम को सौंप दिया। बाद में इन कर्मचारियों को दान गिनने और मंदिर के कैश कलेक्शन को संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई। कथित तौर पर प्रत्येक कर्मचारी को लगभग 20,000 रुपये का मासिक वेतन दिया जाता था। हालांकि, जांच से पता चला है कि इन कर्मचारियों को मूल रूप से हाउसकीपिंग के काम के लिए भर्ती किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें दान के कैश को गिनने और प्रबंधित करने की अत्यंत संवेदनशील जिम्मेदारी सौंप दी गई। भर्ती प्रक्रिया और आउटसोर्सिंग सिस्टम जांच के दायरे में सूत्रों ने बताया कि राम मंदिर का दैनिक दान और चढ़ावा अयोध्या में रइकी तुलसी नगर शाखा में जमा किया जाता था। बैंक ने कैश को गिनने, छांटने और सुरक्षित रूप से ले जाने के लिए कर्मचारी उपलब्ध कराने के लिए वाराणसी स्थित आउटसोर्सिंग एजेंसी को काम पर रखा था। जांचकर्ता अब यह जांच कर रहे हैं कि क्या भर्ती प्रक्रिया में उचित पारदर्शिता बरती गई थी और क्या आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां उचित थीं।

महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की धमक ! निर्दलीय एमएलसी किरण सरनाइक शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र की सियासत में अपनी पैठ मजबूत करने में जुटे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बुधवार को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। राज्य में जारी आक्रामक सियासी जोड़-तोड़ के बीच, निर्दलीय विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) किरण सरनाइक औपचारिक रूप से एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) में अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सरनाइक ने बुधवार देर रात पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की। राज्य की राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने की लगातार कोशिशों के बीच सत्ताधारी पार्टी के लिए इस घटनाक्रम को एक और बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। महाराष्ट्र विधान परिषद

में अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सरनाइक बुधवार देर रात पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुए। शिंदे ने पार्टी में सरनाइक का स्वागत किया पार्टी में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरनाइक कई वर्षों से कई जनहित के मुद्दों पर उनके साथ काम कर रहे थे और अब उन्होंने आधिकारिक तौर पर शिवसेना का सहयोगी सदस्य बनने का फैसला किया है। शिंदे के अनुसार, विधायक का यह फैसला महाराष्ट्र में पार्टी के नेतृत्व और उसके राजनीतिक एजेंडे के लिए बढ़ते समर्थन को दशार्ता है। राजनीतिक रूप से अहम दिन हुआ यह घटनाक्रम सरनाइक का शिवसेना में शामिल होना उसी दिन हुआ, जिस दिन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली विपक्षी शिवसेना (यूटीबी) के एमएलसी सचिन अहीर को महाराष्ट्र विधान परिषद का उप-सभापति निर्विरोध चुना गया। मंगलवार को नामांकन दाखिल करने के बाद सत्ताधारी महायुति गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर अहीर ने यह पद हासिल किया, जो राज्य में एक और अहम राजनीतिक घटनाक्रम है। उनके इस पद पर आने को व्यापक रूप से एकनाथ शिंदे के आक्रामक राजनीतिक अभियान - जिसे आमतौर पर "ऑपरेशन टाइगर" कहा जाता है - के हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है। इस अभियान का मकसद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूटीबी) के नेताओं को सत्ताधारी खेमे में लाना है। 'ऑपरेशन टाइगर' महाराष्ट्र की राजनीति को नई शक्ल दे रहा है किरण सरनाइक का शामिल होना शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के लिए हालिया राजनीतिक फायदों की कड़ी में एक और इजाफा है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्मार्ट फेंसिंग का काम और तेज, घुसपैठियों और तस्करों पर चौबीसों घंटे रहेगी नजर

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की भारत बांग्लादेश सीमा पर अब हालात तेजी से बदल रहे हैं। मुर्शिदाबाद के जलंगी गांव से लेकर कूचबिहार, उत्तर चौबीस परगना और सिलीगुड़ी तक सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने का अभियान तेज हो चुका है। वर्षों तक राजनीतिक टकराव, ढीले रवैये और स्थानीय विवादों में उलझी सीमा अब नई तकनीक और सख्त प्रशासनिक फैसलों के सहारे मजबूत की जा रही है। इस पूरी कवायद का सबसे स्पष्ट संदेश है कि भारत की सीमा अब किसी भी घुसपैठिए के लिए खुला रास्ता नहीं रहने वाली। मुर्शिदाबाद के जलंगी गांव में उमस भरी दोपहर के बीच निर्माण कार्य जारी है और सीमा के किनारे लोहे के खंभे, कंटीले तार, बुलडोजर और सीमा सुरक्षा बल के जवान एक नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। यहां अत्याधुनिक स्मार्ट फेंसिंग का काम तेजी से चल रहा है। देखा जाये तो स्मार्ट फेंसिंग केवल तार लगाने की योजना नहीं है। इसमें तापीय कैमरे, अवरक्त

सेंसर, लेजर आधारित चेतावनी तंत्र, रडार, सोनार और चौबीसों घंटे निगरानी करने वाली प्रणाली शामिल है। इससे सीमा पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सकेगा। इसका सीधा असर उन बांग्लादेशी घुसपैठियों पर पड़ेगा जो अब तक नदी, दलदली जमीन और बिना बाड़ वाले हिस्सों का फायदा उठाकर भारत में दाखिल होते रहे हैं। पश्चिम बंगाल में कुल 2217 किलोमीटर लंबी भारत बांग्लादेश सीमा आती है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इसमें 569 किलोमीटर हिस्सा अब तक बिना बाड़ का है। इनमें से 456 किलोमीटर क्षेत्र में बाड़ लगाना संभव है जबकि 113 किलोमीटर इलाका नदियों और बदलती भौगोलिक स्थिति के कारण बेहद चुनौतीपूर्ण माना जाता है। इसके बावजूद सीमा सुरक्षा बल नई तकनीक के सहारे इन क्षेत्रों को भी सुरक्षित बनाने की तैयारी कर रहा है। राजनीतिक स्तर पर भी यह मुद्दा लंबे समय से विवाद का केंद्र रहा है। पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर आरोप लगते रहे कि उसने सीमा पर बाड़ लगाने में सहयोग नहीं किया और ढीले रवैये के कारण अवैध घुसपैठ को बढ़ावा मिला।

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पद पर बने रहना लोकतंत्र के लिए कलंक: जयराम रमेश

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को उसके उद्देश्य के अनुरूप काम करने में अक्षम बताते हुए बुधवार को कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पद पर बने रहना लोकतंत्र के लिए कलंक है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर दावा किया कि 21 जून, 2026 को नीट की पुनर्परीक्षा कराने के लिए सशस्त्र बलों और सरकार के हर स्तर की पूरी ताकत लगानी पड़ी। उन्होंने कहा कि यह इस बात को दशार्ता है कि नरेन्द्र मोदी सरकार इस तरह की अभूतपूर्व लामबंदी के बिना परीक्षा आयोजित कराने में पूरी तरह नाकाम रही। रमेश ने आरोप लगाया कि एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाओं का रिकॉर्ड अब भी बेहद खराब बना हुआ है। उन्होंने दावा किया कि यूजीसी-नेट अंग्रेजी परीक्षा के प्रश्न लगभग पूरी तरह बिना किसी बदलाव के पुराने प्रश्नपत्रों से उठाए गए थे, जबकि

यूजीसी-नेट समाजशास्त्र के प्रश्नपत्र में वर्तनी, अनुवाद और व्याकरण संबंधी त्रुटियों की भरमार थी। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि एनटीए अपने उद्देश्य के अनुरूप काम करने के योग्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन "मंत्री प्रधान" के कार्यकाल में एनटीए में सुधार और उसे मजबूत बनाया जाना था, वह अयोग्य और असंवेदनशील साबित हुए हैं। रमेश ने कहा कि ऐसे मंत्री का पद पर बने रहना लोकतंत्र पर एक 'कलंक' है और यह प्रधानमंत्री के संकीर्ण राजनीतिक जोड़-घटाव को भी दशार्ता है।

पाकिस्तान में 125 साल पुराना गुरुद्वारा तोड़े जाने पर भारत ने जताई नाराजगी, दोषियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

नई दिल्ली एजेंसी: भारत ने पाकिस्तान में 125 साल पुराने गुरुद्वारे को ढहाए जाने की खबरों को "बेहद दुखद" करार देते हुए इस्लामाबाद से दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। भारत ने कहा कि वह इस "बेहद निंदनीय" और "जानबूझकर की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई" की कड़ी निंदा करता है। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साहिब को कथित तौर पर ढहाए जाने से जुड़ी खबरों पर मीडिया के सवालों के जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। फारूकाबाद में 125 साल पुराना गुरुद्वारा ढहाया मंत्रालय ने कहा, "हमने पाकिस्तान के फारूकाबाद में 125 साल पुराने ऐतिहासिक गुरुद्वारे श्री गुरु सिंह सभा साहिब को ढहाए जाने की बेहद परेशान करने वाली खबरें देखी हैं। हम सिखों के इस पवित्र धार्मिक स्थल के खिलाफ तोड़-फोड़ की इस बेहद निंदनीय और जानबूझकर की गई कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं।" भारत ने

पाकिस्तान सरकार से मामले की "तेजी से जांच करने" और "इस निंदनीय कृत्य को अंजाम देने वालों को कड़ी सजा देने" की मांग की। ये गंभीर चिंता का विषय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "गुरुद्वारा साहिब के ढहाए गए हिस्सों का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण करके उसका मूल स्वरूप बहाल किया जाना चाहिए।" मंत्रालय ने कहा, "इसे नष्ट किए जाने और स्थानीय अधिकारियों या इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीबीपी) द्वारा कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने की खबरें गंभीर चिंता का विषय हैं।" मंत्रालय ने कहा, "दुर्भाग्य से यह कोई अकेली घटना नहीं है, क्योंकि हमने पहले भी ऐसी खबरें देखी हैं। पूजा-स्थलों की सुरक्षा करे पाकिस्तान सरकार मंत्रालय ने कहा, "पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनके पूजा-स्थलों को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाए जाने का सिलसिला लगातार जारी है।" मंत्रालय ने पाकिस्तान सरकार से आग्रह किया कि वह "अपने अल्पसंख्यक समुदायों और उनके पूजा-स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारियों को पूरा करे और पाकिस्तान में व्याप्त सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक असहिष्णुता के माहौल को निर्णायक रूप से खत्म करे।

वणक्कम पूर्वोत्तर: सीएम विजय की सरकार क्या सचमुच 3-6 महीने में गिर जायेगी? तमिलनाडु की राजनीति में चल क्या रहा है?

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव अपने चरम पर पहुंच गया है। सत्तारुढ़ तमिलगा वेत्रि कषगम और विपक्षी द्रविड मुनेत्र कषगम के बीच विधायकों की खरीद फरोख्त, सरकार गिराने की साजिश और दल बदल को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। इसी बीच द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने यह कहकर राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया कि विजय की सरकार कभी भी गिर सकती है और राज्य में जल्द ही दोबारा चुनाव हो सकते हैं। दूसरी ओर सत्तारुढ़ दल टीवीके ने द्रमुक पर धनबल के जरिए विधायकों को तोड़कर सरकार अस्थिर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पूरे घटनाक्रम ने तमिलनाडु की राजनीति में अस्थिरता, अविश्वास और सत्ता संघर्ष का नया दौर शुरू कर दिया है। हम आपको बता दें कि पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब तमिलगा वेत्रि कषगम के उथंगरै विधायक एन इलैयाराजा ने चेन्नै पुलिस आयुक्त से शिकायत दर्ज कराई। विधायक ने आरोप लगाया कि तिरुनावुक्करासु नामक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और खुद को एक राजनीतिक सलाहकार संस्था से जुड़ा बताया। विधायक के अनुसार आरोपी ने दावा

किया कि विधानसभा में जल्द ही विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा और उसमें समर्थन देने के बदले उन्हें पैंतीस करोड़ रुपये की पेशकश की गई। विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि प्रस्ताव ठुकराने पर उन्हें और उनके परिवार को धमकी दी गई। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें तिरुनावुक्करासु, त्रिचि के नरेश और चेन्नै के त्यागराजन शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी नरेश ने हाल ही में

पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब तमिलगा वेत्रि कषगम के उथंगरै विधायक एन इलैयाराजा ने चेन्नै पुलिस आयुक्त से शिकायत दर्ज कराई। विधायक ने आरोप लगाया कि तिरुनावुक्करासु नामक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और खुद को एक राजनीतिक सलाहकार संस्था से जुड़ा बताया।

द्रमुक नेता वी सेंथिल बालाजी के भाई वी अशोक कुमार से मुलाकात की थी। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने दावा किया कि विधायक से संपर्क सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार के निर्देश पर किया गया था। इसके बाद सत्तारुढ़ दल ने द्रमुक पर सरकार गिराने की साजिश रचने का आरोप तेज कर दिया। राज्य के मंत्री आर निर्मल कुमार ने कहा कि पिछले चालीस दिनों से द्रमुक लगातार तमिलगा वेत्रि कषगम के विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विधायकों को पचास करोड़ रुपये तक की पेशकश की गई और पूरी योजना विपक्षी नेताओं के इशारे पर चल रही थी। तमिलगा वेत्रि कषगम ने इसे लोकतांत्रिक जनादेश के खिलाफ षड्यंत्र करार दिया। पार्टी का कहना है कि चुनाव में जनता ने जिस सरकार को चुना है, उसे अस्थिर करने की कोशिश हो रही है। पार्टी नेताओं का आरोप है कि विपक्ष विधानसभा में संख्या बल हासिल करने के लिए धनबल और दबाव की राजनीति कर रहा है। पार्टी ने यह भी दावा किया कि केवल एक विधायक ही नहीं बल्कि कई अन्य विधायकों से भी संपर्क साधा गया था। दूसरी ओर द्रमुक ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। द्रमुक नेताओं ने कहा कि तमिलगा वेत्रि कषगम अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए झूठे आरोप लगा रही है। द्रमुक संगठन सचिव आरएस भारती ने राज्यपाल आरवी आर्लेकर को शिकायत देकर मुख्यमंत्री विजय पर दो विपक्षी विधायकों को तोड़ने की कोशिश का आरोप लगाया है।

संपादकीय

पर्यटक सीजन की घिसाई

हिमाचल में जून का महीना, कितना पसीना और कितना सुकून से जीना की अवधारणा से पर्यटन की मांग को निरूपित करता रहा है। हम मान सकते हैं कि विभिन्न पर्यटक स्थलों पर होटलों में ऑक्यूपेंसी सौ फीसदी चल रही है, लेकिन ऐसे उफनते पर्यटन से कितने किनारे टूटे, इस पर गौर नहीं। अगर ऑक्यूपेंसी सौ या सौ प्रतिशत से ऊपर है, तो इसके साइड व अशोभनीय फैक्टर भी होंगे। क्या सौ फीसदी या इससे ऊपर ऑक्यूपेंसी के रिकार्ड पर खुश हों या इस खनक से पैदा हुए खनन को पहचाने। एक पर्यटक वह भी है जो वाहनों को सडक किनारे खड़े करके बस स्टॉप या वर्षाश्रालय में पनाह लेता है। कुछ डेस्टिनेशन पर्यटक ऑक्यूपेंसी के साइड इफैक्ट के रूप में कहीं अन्यत्र चले जाते हैं। मसलन मकलोडगंज फुल हो गया, तो सैलानी कांगड़ा घाटी के अलग-अलग स्थानों को कूच कर जाते हैं, लेकिन ट्रैफिक जाम के सिलसिलों में पूरे सीजन की घिसाई हो गई। कहना न होगा कि बढ़ते पर्यटन से हिमाचल की सादगी, विनम्रता और सदाशयता को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया पर कोई वीडियो युद्ध चल रहा है। बेशक कुछ सिरफिरे पर्यटक भी सामाजिक, सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत हिमाचल में माहौल खराब करते हैं, लेकिन यह भी सच है कि प्रदेश की पर्यटन अधोसंरचना व व्यवस्था अपूर्णनीय व अक्षम है। बाहर से आने वाला पर्यटक किसी डेस्टिनेशन पर नहीं, बल्कि प्रवेश द्वार पर पर्यटक माना जाए, इसके लिए पंजीकरण तथा ऐप के जरिए संचालन चाहिए। प्रवेश द्वारों पर ही ऐप पर पंजीकरण से रूट तथा ठहराव चिन्हित हो और अगर किसी कारण कहीं अत्यंत भीड़ या अनियंत्रित भीड़ है, तो सैलानियों को विकल्प देकर उन्हें सहूलियत प्रदान की जाए। मकलोडगंज में रिहाइश न मिलने पर ही पर्यटक क्यों पालमपुर या समीपवर्ती स्थलों का रुख अख्तियार करे। यह तो पंजीकरण करते वक्त ही ऐप सुनिश्चित कर सकती है। इसी परिप्रेक्ष्य में सडकों के विकल्प, वन-वे परिवहन की सुविधा तथा होटलों में बुकिंग की स्थिति प्रदर्शित हो सकती है। पिछले कई सालों से प्रमुख पर्यटक स्थलों से खाली हाथ लौटते पर्यटकों की सहूलियत के लिए क्या किया। बिना बुकिंग के कई परिवार अगर भटकते हैं, तो उनके लिए रेस्ट हाउस बुकिंग का एक विकल्प पैदा करना होगा था इन्हें इमरजेंसी राहत का कोई आश्वासन मिलना चाहिए। सरकार जून के महीने में आपात की स्थिति में भूखे-प्यासे या बिना प्री बुकिंग के भटकते सैलानियों के लिए राहत का बंदोबस्त करे। इसके लिए रेस्ट हाउस व छात्रावासों में भुगतान के साथ इंतजाम हो सकता है। इसी सीजन में फॉरेस्ट विभाग के दखल से कुछ डाक बंगले अगर छह लाख कमा सकते हैं, तो एक तैयारी के तहत सारे रेस्ट हाउस शिरकत कर सकते हैं। जून का पर्यटक सीजन एक चुनौती बनता जा रहा है, लिहाजा सभी विभागों की समन्वय समितियां बना कर योजनाएं व बंदोबस्त होने चाहिएं।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।
की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ईरान का आमंत्रण, भारत के लिए रिश्ते सुधारने का एक मौका

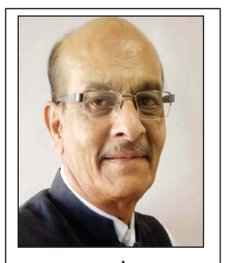

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे धर्मगुरु अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ईरान की सरकार ने दुनिया के सैकड़ों राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और शासकों को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। ईरान की सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और जैन संत जो अहिंसा विश्वा भारती के संस्थापक हैं आचार्य लोकेश मुनि को भी आमंत्रण भेजा है। जैन मुनि ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि वह शांति और सद्भाव के लिए ईरान जाएंगे। अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक पार्टी के नेता भी ईरान जा रहे हैं। इस अवसर पर लगभग 2 करोड़ लोग खामनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए ईरान में एकत्रित हो रहे हैं। भारत सरकार की ओर से जो शुरूआती संकेत मिले हैं, उसके अनुसार भारत सरकार का प्रतिनिधित्व बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा करेंगे। भारत के साथ ईरान के बहुत पुराने सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रिश्ते रहे हैं। दोनों देशों के बीच में शिक्षा, व्यापार और संस्कृति को लेकर बड़े घनिष्ठ संबंध रहे हैं। पिछले कई दशकों में जब भी भारत को ईरान की जरूरत पड़ी ईरान भारत के साथ खड़ा रहा। पिछले कुछ वर्षों में भारत की नजदीकी अमेरिका और इजराइल के साथ बढी। इसके साथ ही भारत और ईरान के संबंधों में वह मधुरता नहीं रही जो उसके पहले होती थी। ईरान ने भारत के साथ राजनीतिक, कूटनीतिक और व्यापारिक संबंध हमेशा बनाए रखे। यहां तक की जब अमेरिका ने ईरान के ऊपर प्रतिबंध लगाए उस समय ईरान सरकार ने भारत को भारतीय मुद्रा में न केवल कच्चा तेल सप्लाई किया वरन उतनी ही कीमत का सामान भारत से आयात करके अपने रिश्तों को बेहतर बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया।

समय के साथ बदलाव आते हैं पिछले कुछ वर्षों में भारत की इजराइल के साथ नजदीकी बढ़ती रही और ईरान के साथ दूरी बढ़ती गई। भारत को ऐसा लगता था कि अमेरिका और इजराइल अजेय हैं। भारत ने ईरान की उपेक्षा शुरू कर दी। भारत की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव आ गया। ईरान और भारत के रिश्तों में एक बड़ा तनाव तब देखने को मिला जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल जाकर यह कह दिया कि इजराइल फादरलैंड है। उसके दो दिन बाद इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका और इजराइल को इस युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान आज एक विजेता के रूप में फिर से एक महत्वपूर्ण स्थिति में आ गया है। ईरान की सरकार अभी भी भारत के साथ अपने पुराने रिश्तों को ध्यान में रखते हुए अपने संबंध बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को जो रिश्ते बिगड़ चुके हैं उनको एक बार फिर पटरी में लाने का मौका है। अमेरिका और इजराइल के हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई सहित कई बड़े योद्धा तथा ईरान के स्कूल में पढ़ने वाली 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत हुई थी। उस समय भारत ने चुप्पी साध रखी थी। भारत ने ईरान के अनुरोध करने के बाद भी ब्रिक्स संगठन देशों की बैठक नहीं बुलाई। अब स्थिति बहुत हद तक साफ हो चुकी है। ऐसे समय पर भारत सरकार को ईरान के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाने के लिए दुख की इस घड़ी में ईरान जाकर घाव में मलहम लगाने की जरूरत है। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन लोगों को ईरान ने आमंत्रित किया है, उनमें शामिल हैं। उन्हें भारतीय दल के रूप में साथ ले जाकर ईरान के साथ भारत के रिश्ते फिर बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस समय जो अवसर मिला है, इसका लाभ उठाया जा सकता है।

पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वास की मानवीय पहल

उमेश चतुर्वेदी

अभी हाल ही में पिता दिवस गुजरा है। इस दिन सोशल मीडिया समेत तमाम जगहों पर हुई चचाओं में एक बात प्रमुखता से छायी रही। ऐसा कहा गया कि पिता बनने के बाद लोगों की शख्सियत में बदलाव आ जाता है। चूंकि जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, लिहाजा इन दायित्वों के चलते कठोर से कठोर हृदय वाला व्यक्ति भी नरम हो जाता है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने जब पूर्व नक्सलियों की जबरिया कराई गई नसबंदी को खोलने वाले जटिल ऑपरेशन को हरी झंडी दिखाई, पता नहीं, उसके दिमाग में यह तथ्य था या नहीं। लेकिन उसकी इस कोशिश से कभी इंन्सानी खून से लाल रही बस्तर की धरती के कई आंगन किलकारियां गूंज रही हैं।

देश के एक तिहाई जिलों पर लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहा नक्सलवाद अब आखिरी सांसें गिन रहा है। गृहमंत्री अमित शाह के दावे के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक देश तकरीबन नक्सलमुक्त हो चुका है। इस दौरान सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ज्यादातर बड़े नक्सली कमांडर मारे जा चुके हैं, या कई ने आत्मसमर्पण कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2700 नक्सली आत्म समर्पण कर चुके है। इन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्रीय सहयोग के साथ नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें कई सारी योजनाएं चला रही हैं। नक्सलवाद से सर्वाधिक प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ और झारखंड में आर्थिक सहयोग, रोजगार, घर आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे नक्सलियों के पुनर्वास को गति मिली है। लेकिन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास कार्यक्रमों में एक अनूठी मुहिम चलाई जा रही है। यह विशेष मुहिम सिर्फ छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ही चला रही है। इस मुहिम को पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वासन कहा जा सकता है।

दरअसल नक्सली संगठनों में फील्ड कार्य कर रहे नक्सलियों के लिए अमानवीय प्रथा थी। फील्ड में काम कर रहे कम उम्र के नक्सलियों की अमानवीय तरीके से जबरिया नसबंदी करा दी जाती थी, ताकि नक्सली कार्य करते वक्त वे अपना परिवार न बढ़ा सकें। नक्सली संगठनों में महिला नक्सली भी सक्रिय थीं, उनके बीच रिश्ते पनपने संभव थे। लेकिन उन रिश्तों से बच्चे ना हों, इसलिए पुरूष नक्सलियों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए मजबूर किया गया। जिनमें बहुत सारे नक्सलियों की उम्र बेहद कम थी। लेकिन सरकारी मुहिम के बाद जब उन्होंने आत्मसमर्पण किया तो उनके मन में भी परिवार बसाने और अपने घर-आंगन में किलकारी गूंजने की चाहत जगी। चूंकि इनकी नसबंदी हो चुकी थी, लिहाजा इन्हें मन-मसोस कर रह जाना पड़ता था। छत्तीसगढ़ सरकार इन्हीं समर्पित प्रजनन उम्र वाले नक्सलियों के लिए पारिवारिक तौर पर ज्यादा सक्रिय होने के लिए यह मानवीय पहल शुरू की है।

पशुपति यानी नेपाल से लेकर तिरूपति यानी आंध्र के जंगली गलियारे तक तूती बोलने के दौर में छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित था। खूंखार नक्सलियों के लिए कुख्यात इसी बस्तर संभाग से छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय पहल शुरू की है। इसके तहत प्रजनन की उम्र वाले उन नक्सलियों का रिवर्स वैसेक्टॉमी शुरू किया है। नसबंदी करा चुके लोगों के लिए रिवर्स वासेक्टॉमी एक तरह से उनकी नसों को फिर से खोलने और उन्हें प्रजनन योग्य बनाने की जटिल प्रक्रिया है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने इस अनूठी पहल को यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की मदद से शुरू किया है। 14 जून तक के आंकड़ों के अनुसार, दो चरणों में 73 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने का ऑपरेशन पूरा किया जा चुका है। पहले चरण में 33 पूर्व नक्सलियों को खुशहाल जिंदगी गुजारने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया तो दूसरे चरण में 40 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी को खोला गया। पहले चरण में जिन 33 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, उनमें से 27 के आंगन किलकारियों से गूंज रहे हैं। बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के अनुसार, बस्तर के एक पूर्व नक्सली के घर दो महीने पहले ही बच्ची का जन्म हो चुका है। उस पूर्व नक्सली का परिवार इस बच्ची के साथ अपना पारिवारिक जीवन आनंद से बिता रहा है।

आमतौर नसबंदी खोलने के इस जटिल ऑपरेशन के लिए बड़े शहरों और महानगरों के सुविधा संपन्न अस्पतालों में जाना पड़ता है। लेकिन यह पहला मौका है, जब छत्तीसगढ़ के दूर-दराज के बस्तर संभाग में स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इस जटिल ऑपरेशन प्रक्रिया को सफलता के साथ अंजाम तक पहुंचाया गया। इस पहल में बस्तर के जिला प्रशासन के साथ ही बस्तर पुलिस और यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के पश्चिमी जोन की बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका रही। यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इंदौर निवासी डॉक्टर राजेश कुकरेजा का कहना है कि बस्तर जैसे इलाके में इतने बड़े स्तर पर नसबंदी खोलने का सफल ऑपरेशन किया जाना चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन की शुरूआत जगदलपुर के महारानी अस्पताल में की गई। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। जगदलपुर के जिला अस्पताल में नसबंदी खोलने के विशेष शिविरों में देश के जाने माने यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशील राठी, डॉ. ललित शाह एवं डॉ. योगेश बरापात्रे सहित इंदौर के डॉ. राजेश कुकरेजा, पुणे के डॉ. सागर भालेराव और डॉ. राहुल, महाराष्ट्र के नांदेड़ के डॉ. अभिषेक, मुंबई के डॉ. निनाद तंबोली और डॉ. पार्थ मानेक के साथ ही रायपुर के डॉ. राहुल कपूर एवं डॉ. घनश्याम हटवार की टीम ने पूर्व नक्सिलियों का सफल ऑपरेशन किया है। इनके सहयोग के लिए छह स्थानीय डॉक्टरों सहित करीब 50 सदस्यों वाली मेडिकल टीम जुटी रही।

छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल बाकी राज्यों द्वारा नक्सलियों के आर्थिक और जमीनी पुनर्वास नीति से अलग है। विष्णुदेव साय सरकार की इस मानवीय पहल की प्रशंसा मेडिकल जगत के साथ ही समाजविज्ञानी भी कर रहे हैं। इस पहल के तहत शारीरिक और मेडिकल जांच के साथ ही प्रजनन योग्य पाए जाने वाले नक्सलियों के ही ऑपरेशन किए जाते हैं। इनमें चालीस साल तक की उम्र वाले पूर्व नक्सलियों को ही प्राथमिकता दी जाती है। जगदलपुर के महारानी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर संजय प्रसाद के मुताबिक, राज्य सरकार की पहल पर जल्द ही तीसरे चरण का भी शिविर लगाने की तैयारी है, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा पूर्व नक्सलियों के ऑपरेशन किये जायेंगे।

छत्तीसगढ़ की यह मानवीय पहल समर्पित नक्सलियों को ना सिर्फ अपने समाज, बल्कि परिवार से भी जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा रणनीति से आगे बढ़कर विश्वास निर्माण और सामाजिक-मानवीय पुनर्वास मॉडल के रूप में आगे आ रहा है। ये 73 ऑपरेशन महज चिकित्सकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि इन परिवारों की उम्मीद और सामान्य जीवन की ओर आगे बढ़ने का भी प्रतीक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि झारखंड और दूसरे नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें भी इस पहल से प्रेरित होंगी।

प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है।

आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्जी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है।

भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए।

आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-'प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है।

आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

डीएम एवं एसपी द्वारा परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) को पूर्णतः शुचितापूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, कक्ष निरीक्षकों की तैनाती तथा परीक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर उपलब्ध पेयजल, विद्युत आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, क्लॉक रूम तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ ने परीक्षा केन्द्रों के सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर वहां तैनात कर्मचारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही, नकल अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई है। सभी परीक्षा केन्द्र सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में संचालित किए जा रहे हैं तथा प्रत्येक गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा रही है। अभ्यर्थियों की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की गहन जांच कराई जा रही है तथा किसी भी प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को परीक्षा केन्द्र के भीतर ले जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात है तथा सभी अधिकारी लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि प्रथम दिवस की दोनों पालियों की परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सकुशल सम्पन्न हुई। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शेष पालियों की परीक्षा भी इसी सतर्कता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत एसपी ने गजरौला-ब्रजघाट मार्ग का किया निरीक्षण

डायवर्जन, बैरिकेडिंग और सुरक्षा के दिए निर्देश, बोले- कांवड़ियों को न हो परेशानी

गजरौला/अमरोहा(सब का सपना):- आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण व सुरक्षित बनाने के लिए एसपी लखन सिंह यादव ने मंगलवार को गजरौला व ब्रजघाट क्षेत्र में कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने चौराहों, संवेदनशील स्थलों, पार्किंग, बैरिकेडिंग और ट्रैफिक प्रबंधन का जायजा लिया। एसपी ने अफसरों को निर्देश दिए कि डायवर्जन प्लान का सख्ती से पालन कराएं। कांवड़ मार्ग पर लगातार गश्त हो और पर्याप्त फोर्स तैनात रहे।

यातायात सुचारु रहे ताकि आमजन व कांवड़ियों को असुविधा न हो। प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने और आपात स्थिति से निपटने के इंतजाम पहले से तैयार रखने को कहा। उन्होंने पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार करने और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अमरोहा पुलिस कांवड़ यात्रा को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को प्रतिबद्ध है।

भाकियू बी आर आंबेडकर की किसान महापंचायत राष्ट्रीय अध्यक्ष पर जिला बदर कार्रवाई का विरोध

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी.आर. आंबेडकर) के बैनर तले गुरुवार को ग्राम मंगरौला के समीप गंगा एक्सप्रेसवे पुल के नीचे विशाल किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत के बाद किसानों ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिग्विजय भाटी पर की गई जिला बदर की कार्रवाई वापस लेने तथा औद्योगिक गलियारों के लिए अधिग्रहित भूमि से जुड़े मुद्दों पर किसानों को राहत देने की मांग उठाई। ज्ञापन में किसानों ने आरोप लगाया कि डॉ. दिग्विजय भाटी के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई राजनीतिक दबाव और द्वेष की भावना से की गई है। संगठन ने इस कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हुए इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की। किसानों ने कहा कि डॉ. भाटी ने हमेशा किसान, मजदूर, दलित, नौजवान और अल्पसंख्यकों की समस्याओं को लेकर संघर्ष किया है। संगठन के अनुसार उनके नेतृत्व में जलभराव की समस्या का समाधान, गन्ना मूल्य बढ़वाने, खराब सड़कों का निर्माण, तटबंध मार्ग बनवाने, आवारा पशुओं की समस्या के समाधान, बिजली विभाग की कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन तथा अन्य कई जनहित के कार्य कराए गए हैं। महापंचायत में किसानों ने औद्योगिक गलियारों के लिए भूमि अधिग्रहण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उनका कहना था कि सरकार ने किसानों की जमीन कम दरों पर खरीदी है, जिससे किसान आर्थिक संकट में हैं। किसानों ने मांग की कि शेष भूमि का अधिग्रहण तत्काल रोका जाए तथा पहले से अधिग्रहित जमीन का मुआवजा बढ़ाकर किसानों को दिया जाए।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि डॉ. दिग्विजय भाटी पर जिला बदर की कार्रवाई वापस नहीं ली गई और किसानों की भूमि संबंधी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन (बी.आर. आंबेडकर) चरणबद्ध आंदोलन, धरना-प्रदर्शन और किसान महापंचायतों का सिलसिला जारी रखेगी। किसानों ने जिलाधिकारी से मांग की कि डॉ. दिग्विजय भाटी के विरुद्ध की गई जिला बदर की कार्रवाई को निरस्त किया जाए, औद्योगिक गलियारों के लिए अधिग्रहित भूमि का उचित मुआवजा बढ़ाकर दिया जाए तथा शेष किसानों की जमीन का अधिग्रहण रोककर उनकी समस्याओं का न्यायपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

डीएम डॉ0 नितिन गौड़ के निर्देश पर जनपद में 15 दिवसीय विशेष गोवंश संरक्षण अभियान शुरू

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में निराश्रित विचरण करने वाले गोवंश की समस्या के समाधान के लिए जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के निर्देश पर 2 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक 15 दिवसीय विशेष निराश्रित गोवंश संरक्षण अभियान शुरू कर दिया गया है। अभियान के तहत सभी खंड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर नर गोवंश (नंदी) को संरक्षित कर गौशालाओं तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्य में पशुपालन विभाग तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। यह विशेष अभियान आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, ताकि प्रमुख मार्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में निराश्रित गोवंश के कारण यातायात बाधित न हो तथा श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित एवं सुगम बनी रहे। अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को प्रत्येक विकास खंड में कैटल कैचर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वर्तमान में केवल हसनपुर और गंगेश्वरी विकास खंडों में ही कैटल कैचर उपलब्ध हैं। जोया, अमरोहा, गजरौला और धनौरा में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कैटल कैचर की व्यवस्था होने से अभियान को और गति मिलने की उम्मीद है। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने बताया कि पूर्व से प्रत्येक सप्ताह गुरुवार को विभिन्न विकास खंडों में गोवंश संरक्षण अभियान चलाया जाता है। इसके अलावा ग्रामीणों से सूचना मिलने पर भी निराश्रित नंदियों का संरक्षण कराया जाता है। पिछले चार माह से निराश्रित गोवंश संरक्षण के मामले में अमरोहा जनपद प्रदेश में चौथे स्थान पर बना हुआ था, जबकि जून 2026 में जनपद ने तीसरा स्थान हासिल किया है। अभियान के पहले दिन गजरौला नगर पालिका क्षेत्र में पांच नंदियों को संरक्षित कर रहमापुर माफी गौशाला भेजा गया। इसके अलावा कान्हा हसनपुर में एक, फरीदपुर इम्मा में दो, डींगरा में दो तथा बछरायूं में एक गोवंश को संरक्षित किया गया। इस प्रकार पहले दिन कुल 11 निराश्रित गोवंशों को सुरक्षित गौशालाओं में पहुंचाया गया।

'फार्मर रजिस्ट्री' के महाअभियान के अंतर्गत 96.17% लक्ष्य हासिल कर अमरोहा ने प्रदेश में पाया तीसरा स्थान

अमरोहा (सब का सपना):- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित कृषि व सहकारिता विभाग की तमाम सरकारी योजनाओं का निर्बाध लाभ असली किसानों तक पहुंचाने के लिए शुरू की गई 'फार्मर रजिस्ट्री' (किसान आईडी) परियोजना में अमरोहा जिले ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रदेशभर में चल रहे इस महाअभियान में अमरोहा अपना 96.17 प्रतिशत लक्ष्य पूरा करके पूरे उत्तर प्रदेश में तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। जिले के कुल 2,33,638 किसानों के सापेक्ष अब तक 2,24,681 किसानों की रजिस्ट्री पूरी की जा चुकी है, जबकि इस मामले में समूचे राज्य का औसत फिलहाल 82.69 प्रतिशत ही है। इस बड़ी उपलब्धि से जिले के हजारों किसानों का विभिन्न योजनाओं का रास्ता साफ हो गया है। जिले में फार्मर रजिस्ट्री के काम को रिकॉर्ड समय में रफ्तार देने में जन सेवा केंद्रों (सीएससी) ने सबसे अहम भूमिका निभाई है। आधिकारिक आंकड़ों पर गौर करें तो कुल 2,24,681 रजिस्ट्रियों में से सर्वाधिक 1,49,607 रजिस्ट्रियां सीएससी के माध्यम से ही की गई हैं। इसके अलावा किसानों ने खुद भी तकनीक के प्रति जागरूकता दिखाते हुए 'सेल्फ मोड' से 35,205 रजिस्ट्रियां की हैं। पंचायत सहायकों के माध्यम से 32,729 और विशेष कैंपों के जरिए 7,140 किसानों का डाटा पोर्टल पर सफलतापूर्वक दर्ज किया गया है। उप निदेशक कृषि महेंद्र पाल सिंह ने स्पष्ट किया है कि किसान रजिस्ट्री या 'गोल्डन कार्ड' एक बेहद महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है जिसमें किसान की पूरी भूमि का विवरण ऑनलाइन दर्ज रहता है। अब पीएम किसान सम्मान निधि, क्रय केंद्रों पर गेहूं-धान-सरसों की बिक्री, खाद-बीज की खरीद, किसान क्रेडिट कार्ड और आपदा मुआवजे जैसी सभी कृषि, उद्यान और पशुपालन योजनाओं का लाभ लेने के लिए इसे पूरी तरह से अनिवार्य कर दिया गया है। जिले के जिन 95 प्रतिशत से अधिक किसानों ने इसे बनवा लिया है, उन्हें अब इन सभी योजनाओं का लाभ बिना किसी सरकारी परेशानी के मिलता रहेगा।

कृषि विभाग द्वारा 30 जून 2026 तक जारी प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश भर में गाजियाबाद 101.93 प्रतिशत और रामपुर 100.79 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर काबिज हैं। पूरे उत्तर प्रदेश की बात करें तो भारत सरकार द्वारा तय 2.88 करोड़ से अधिक किसानों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 2.38 करोड़ (82.69%) से ज्यादा किसानों की आईडी जनरेट हो चुकी है। अमरोहा में काम लगभग पूरा हो चुका है और अब केवल 1,474 किसानों का अप्रूवल ही पेंडिंग बचा है। जो किसान अभी तक किसी कारणवश इस प्रक्रिया से छूट गए हैं, उन्हें विभाग द्वारा जल्द से जल्द अपना पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है। ऐसे किसान अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र, लेखपाल, पंचायत सहायक या कृषि विभाग के कर्मचारियों से संपर्क करके इसे बनवा सकते हैं। इसके अलावा किसान स्वयं मोबाइल से भी घर बैठे आसानी से सेल्फ रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के लिए मुख्य रूप से आधार से लिंक मोबाइल नंबर, आधार कार्ड और खतौनी या गाटा संख्या का होना आवश्यक है।

मंडी धनौरा तहसील को मिली सौगात,जमीनी पैमाइश व नापतौल की समस्याओं को मिनटों में सुलझाएगी 'रोवर मशीन'

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के किसानों को अब जमीन संबंधी समस्याओं जैसे पैमाइश और नापतोल जैसे कार्यों को कराने के लिए अब बार-बार चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि इस समस्या से निजात दिलाने के लिए शासन स्तर से मंडी धनौरा को एक आधुनिक 'रोवर मिशन' (जीपीएस आधारित पैमाइश उपकरण) की सौगात मिल चुकी है। जिससे क्षेत्र के किसानों को जमीन की नापतोल और पैमाइश करने के लिए अब ज्यादा इंतजार करना नहीं पड़ेगा। बता दें कि गुरुवार को तहसील परिसर को शासन स्तर से 'रोवर मशीन' (जीपीएस आधारित पैमाइश उपकरण) उपलब्ध कराया गया जिसका उपजिला अधिकारी एसडीएम शैलेश कुमार दुबे, तहसीलदार मूसाराम थारू, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप गुप्ता, कानूनगो मनोज कुमार और प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष उधम गिल ने रोवर मिशन पर माल्या अर्पण ने विधिवत शुभारंभ किया और नापतोल कार्य की शुरूआत की। इस मौके पर एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि क्षेत्र के किसानों को जमीन की पैमाइश को लेकर काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। विशेषकर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 24 (मेढ़बंदी/सीमांकन) के अंतर्गत आने वाले मामलों में अक्सर विवाद और देरी की स्थिति बनी रहती थी। एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने कहा कि अब इस अत्याधुनिक रोवर मशीन के आने से धारा 24 के तहत आने वाली सभी जमीनी समस्याओं और पैमाइश के मामलों का शत-प्रतिशत और त्रुटिहीन निस्तारण किया जा सकेगा। सैटेलाइट आधारित होने के कारण इस मशीन से की गई नापतौल पूरी तरह सटीक होगी, जिससे आपसी विवादों की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। इस डिजिटल तकनीक के आने से अब महीनों का काम दिनों और घंटों में सिमट जाएगा। रोवर मशीन की मदद से कम समय में और बिना किसी मानवीय पक्षपात के खेतों की मेढ़ और सीमाओं का निर्धारण हो सकेगा। इससे न केवल राजस्व विभाग के काम में पारदर्शिता आएगी, बल्कि किसानों को अदालतों और तहसील के चक्कर काटने से भी मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर स्थानीय अधिवक्ताओं, राजस्व कर्मियों और किसान प्रतिनिधियों ने शासन के इस कदम की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन को लेकर होने वाले आपसी झगड़ों में भारी कमी आएगी। इस दौरान कानूनगो धीरे सिंह, कानूनगो नरेंद्र सिंह, लेखपाल रमेश सैनी, विकास यादव, सुमित यादव, वैभव गुप्ता, सुमित सैनी, अंकित कोहली, दिनेश सिंह, गौरव चौहान, इस्तखार अली, मुजम्मिल, ललित, मोहित, निशांत, निकेश, प्रदीप कुमार, प्रमोद, आदर्श और अय्यूब आदि लोग मौजूद रहे।

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा किसानों के हित में दो प्रमुख योजनाएं संचालित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पशु चिकित्सा विभाग सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर कड़े प्रयास कर रहा है। विभाग के प्रभावी प्रयासों से अब लाभार्थी किसान सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त कर रहे हैं, जिससे पशुपालन क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त ने बताया कि विभाग द्वारा किसानों के हित में दो प्रमुख योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पहली योजना गौ संवर्धन योजना है। इस योजना के तहत लाभार्थी को प्रदेश के बाहर से दो भारतीय नस्ल की गायों खरीदारी करनी होगी। खरीदारी पूर्ण होने के बाद ही योजना का लाभ दिया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य बेहतर नस्ल की गायों को प्रोत्साहित कर स्थानीय पशुपालन को मजबूत करना है।दूसरी योजना मिनी नंदनी कृषक समृद्धि योजना है। इस योजना में लाभार्थी को 10 गायों की खरीदारी करनी होती है। योजना की खास बात यह है कि बैंक लोन की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इस योजना के लिए 23.62 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

इससे किसान आसानी से अधिक गायें खरीद सकेंगे और अपना व्यवसाय विस्तार कर सकेंगे।डॉ. आभा दत्त ने कहा कि दोनों योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने और पशुपालन को लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। विभाग लगातार जागरूकता शिविर आयोजित कर लाभार्थियों को इन योजनाओं से जोड़ रहा है।

सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के प्रांगण में एक पेड़ माँ के नाम वन महोत्सव

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में हसनपुर नगर के सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के प्रांगण में "एक पेड़ माँ के नाम" वन महोत्सव अभियान के तहत पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि हसनपुर विधायक महेन्द्र सिंह खड़गवंशी ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए पौधा रोपण किया।विधायक खड़गवंशी ने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की अमूल्य विरासत हैं। उन्होंने अपील की कि हम सभी मिलकर अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ हरित, स्वच्छ एवं समृद्ध भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।इस अवसर पर उन्नद्ध अमरोहा राजीव कुमार, क्षेत्रीय वन अधिकारी हसनपुर नरेश कुमार, प्रधानाचार्य अजय कुमार वर्मा, हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा, प्रांत सह मंत्री अक्षी अग्रवाल, प्रधान संघ अध्यक्ष यशपाल प्रधान, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेन्द्र खड़गवंशी, खंड विकास अधिकारी हसनपुर रोहतास सिंह, मंडल मंत्री प्रमोद कुमार पांडे, वॉइस प्रिंसिपल दीपक कुमार, नामित सभासद अजय पाल, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी सुमित राठी सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, स्कूल के अध्यापक-अध्यापिकाएं और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के महत्व पर जागरूकता फैलाई गई। बच्चों को भी पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित करने के लिए प्रेरित किया गया। यह अभियान पूरे जनपद में पर्यावरण संवर्धन की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

100 करोड़ से ज्यादा की सरकारी जमीन घोटाले में तत्कालीन ईओ गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सरकारी भूमि पर भूमाफियाओं के अवैध कब्जे और फर्जी खरीद-फरोख्त के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत संभल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सरकारी भूमि को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध रूप से बेचने के मामले में तत्कालीन अधिशासी अधिकारी (ईओ) एवं वर्तमान में नगर निगम शाहजहांपुर में तैनात सहायक नगर आयुक्त राजकुमार गुप्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिष्णोई (आईपीएस) के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह के नेतृत्व में सरकारी भूमि घोटालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना कोतवाली संभल में दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान राजकुमार गुप्ता की भूमिका सामने आई। पुलिस के अनुसार, संभल-मुरादाबाद मार्ग स्थित बेशकीमती ग्राम सभा की सरकारी भूमि को फर्जी दस्तावेज तैयार कर अवैध रूप से बेचने का षड्यंत्र रचा गया। आरोप है कि इस पूरे खेल में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों से मिलीभगत कर मोटी रकम हासिल की गई, जिससे सरकार को करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचा। विवेचना में यह भी सामने आया कि तत्कालीन अधिशासी अधिकारी रहते हुए राजकुमार गुप्ता ने अन्य आरोपियों के साथ सांठगांठ कर निजी लाभ के उद्देश्य से उच्च न्यायालय में संबंधित रिट समाप्त हो गई। इसके बाद ग्राम सभा की सरकारी भूमि का अवैध लाभ आरोपियों को पहुंचाने में भी उनकी भूमिका पाई गई।

पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने गुरुवार को सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत वांछित आरोपी राजकुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं और उनकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, फर्जी दस्तावेज तैयार कर बिक्री तथा भूमाफियाओं से मिलीभगत करने वालों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सहकारिता सप्ताह के तहत निकाली गई जागरूकता रैली, योजनाओं की दी जानकारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारत सरकार द्वारा सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 6 जुलाई तक मनाए जा रहे सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को जनपद में सहकारिता विभाग की ओर से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से आमजन को सहकारिता आंदोलन और विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर उनसे जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

रैली का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने कलक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद रैली कलक्ट्रेट परिसर से इस्लामनगर चौराहा, बहजोई होते हुए स्टेशन रोड स्थित सहकारी समिति परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में सहकारिता विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा विभिन्न सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर, पोस्टर और झंडे लेकर सहकारिता की उपयोगिता तथा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया। इस दौरान लोगों को बताया गया कि सहकारी संस्थाओं से जुड़कर किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी और आम नागरिक विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही सहकारिता के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण, सामूहिक विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि सहकारिता सप्ताह का उद्देश्य समाज में सहयोग और सहभागिता की भावना को मजबूत करना तथा अधिक से अधिक लोगों को सहकारी संस्थाओं से जोड़कर उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है। रैली के दौरान आमजन से सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान भी किया गया।

पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया महिलाओं एवं बलिकाओं का जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में गुरुवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बहु बेटी सम्मेलन कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल,पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर सरकारी डॉक्टरों का हुआ सम्मान, व्यापार मंडल ने जताया आभार

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर गुरुवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सरकारी अस्पताल) में सम्मान समारोह आयोजित कर चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में सरकारी डॉक्टरों को पटका पहनाकर, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। युवा नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने चिकित्सकों की सेवाओं को समाज के लिए अमूल्य बताते हुए उनके समर्पण को नमन किया। इस अवसर पर अनुज वार्ष्णेय ने कहा कि डॉक्टर समाज में धरती के भगवान का स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों और भारी कार्यभार के बावजूद सरकारी चिकित्सक दिन-रात मरीजों की सेवा में जुटे रहते हैं। चिकित्सक केवल दवाइयों से ही नहीं, बल्कि अपने विश्वास और सकारात्मक शब्दों से भी मरीजों में नई उम्मीद और जीवन जीने का हौसला पैदा करते हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी सभी वर्गों के लोगों का धैर्यपूर्वक उपचार करना उनकी सबसे बड़ी पहचान है। कार्यक्रम में अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. हरविंदर सिंह ने सम्मान के लिए व्यापार मंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज और सामाजिक संगठनों से मिलने वाला सम्मान चिकित्सकों का मनोबल बढ़ाता है। इससे मरीजों की सेवा और अधिक समर्पण तथा संवेदनशीलता के साथ करने की प्रेरणा मिलती है।

सम्मान समारोह में नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू, निशांत शर्मा, सभासद अमन कोरी, राजू चड्ढा, आकाश आहुजा, ज्ञान प्रकाश शर्मा, प्रभात गोयल, शुभम अग्रवाल सहित व्यापार मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों के प्रति सम्मान और आभार का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

संभल वन प्रभाग में पौधारोपण, जागरूकता रैली और आम भंडारे का आयोजन

संभल(सब का सपना):- जनपद में वन महोत्सव सप्ताह (1 से 7 जुलाई) के अंतर्गत गुरुवार को संभल वन प्रभाग की चंदौसी, संभल और गुन्नौर रेंज में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान पौधारोपण, जागरूकता रैली, गोष्ठी, चित्रकला प्रतियोगिता तथा आम भंडारे के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। चंदौसी रेंज में वन महोत्सव के दूसरे दिन का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) चंदौसी में हुआ। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी चंदौसी, आईटीआई के प्रधानाचार्य नरेंद्र पाल, पर्यावरण संस्था ग्रीन भारत के अध्यक्ष निशांत बंसल, संस्थान के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, स्थानीय काष्ठ व्यापारी तथा क्षेत्रीय वन अधिकारी सहित वन विभाग का स्टाफ मौजूद रहा। इस अवसर पर छात्रों के साथ पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, कृषि वानिकी और खेती से जुड़े विषयों पर गोष्ठी आयोजित की गई तथा पौधारोपण कर कलमी आम के पौधों का वितरण किया गया। संभल रेंज में जूनियर हाई स्कूल सैफ खां सराय में वृक्षारोपण एवं आम भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों को आम के पौधे वितरित किए गए और उन्हें अपने घरों के आसपास पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका विनीता शर्मा, सहायक अध्यापिका सरताज बेगम, क्षेत्रीय वन अधिकारी मनोज कुमार एवं वन विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा। बच्चों के बीच पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। वहीं गुन्नौर रेंज में हरि बाबा बांध, मोलनपुर में वृक्षारोपण और आम भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गवां नगर पंचायत की चेयरमैन सर्वेश दिवाकर, ग्रामीणों तथा वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वन महोत्सव सप्ताह के दौरान जिले भर में पौधारोपण और जनजागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

बहजोई कोतवाली परिसर में भाकियू कार्यकर्ता कालीचरण ने किया वृक्षारोपण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पर्यावरण संरक्षण और हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को कोतवाली बहजोई परिसर में भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता कालीचरण ने वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ता ने कोतवाली परिसर स्थित प्रभु श्रीराम मंदिर के आसपास फूलों एवं छायादार पौधों का रोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता कालीचरण ने क्राइम इंस्पेक्टर बलराम यादव के साथ मिलकर पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं। वृक्ष हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाते हैं तथा धरती पर जीवन के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। क्राइम इंस्पेक्टर बलराम यादव ने भी वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है, ताकि वे बड़े होकर पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बना सकें। वृक्षारोपण अभियान के दौरान मौजूद लोगों ने वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को भी प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण तैयार करने का संदेश दिया गया।

जीपीएस एकेडमी इंटर कॉलेज भजनपुरा में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वन महोत्सव के उपलक्ष्य में 1 जुलाई 2026 को जीपीएस एकेडमी इंटर कॉलेज भजनपुरा, केलसा रोड पर भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने वृक्षारोपण गोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व तथा जलवायु परिवर्तन पर अपने विचार व्यक्त किए। गोष्ठी के उपरांत प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को आम, नीम, पाकड़, बरगद, शीशम सहित विभिन्न उपयोगी प्रजातियों के पौधों का भंडारा (वितरण) किया गया, ताकि बच्चे घर-घर जाकर भी पौधे लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं।विद्यालय प्रशासन ने बताया कि वन महोत्सव केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि निरंतर अभियान है। छात्रों को पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक शामिल हुए। जीपीएस एकेडमी प्रबंधन ने संकल्प लिया कि विद्यालय परिसर को हरित क्षेत्र बनाने के साथ-साथ आसपास के इलाकों में भी वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जाएगा।

धनौरा क्षेत्र में संदिग्ध हालात में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव,जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

बिजनौर जनपद का रहने वाला था मृतक,मजदूरी करने घर से निकला था मृतक युवक

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में एक 30 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध हालातो में पेड़ से लटका हुआ मिला। जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। उधर सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल एवं फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। जिसने घटनास्थल का मुआयना करते हुए मौके से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि पूरा मामला मंडी धनौरा थाना क्षेत्र स्थित रामगंगा पोषक नहर किनारे स्थित गांव कमेलपुर-सेरकपुर लोहड्डा पुल के पास का है जहां पर बुधवार को एक 30 वर्षीय युवक का शव पेड़ पर संदिग्ध हालातो में लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही मंडी धनौरा थाना प्रभारी अमरपाल सिंह पुलिस बल और फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से कुछ दूरी पर बिजनौर नंबर की एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। पुलिस ने शव की पहचान के लिए आसपास के जनपदों की पुलिस और सोशल मीडिया का सहारा लिया।बुधवार रात करीब नौ बजे मृतक की पहचान बिजनौर के शाहपुर भसौड़ी निवासी मोनू सैनी (30) पुत्र शेर सिंह के रूप में हुई। पहचान होने के बाद परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने शव की शिनाख्त की। इस सूचना से परिवार में मातम छा गया।परिजनों ने बताया कि मोनू बुधवार सुबह करीब आठ बजे चांदपुर में एक चिनाई मिस्त्री के साथ हेल्परी का काम करने की बात कहकर घर से निकला था। दोपहर में उसके पेड़ से लटके मिलने की सूचना मिली। मृतक की ससुराल मंडी धनौरा तहसील के ग्राम मोहनपुर में है, और उसका शव ससुराल के पास ही बरामद हुआ।मोनू सैनी अपने पीछे पत्नी राधा देवी और चार मासूम बच्चों–दो बेटियां व दो बेटे–को छोड़ गए हैं। घटना के बाद से परिवार गहरे सदमे में है।थाना प्रभारी अमरपाल सिंह ने जानकारी दी कि शव की शिनाख्त हो चुकी है और पोस्टमार्टम भी कराया जा चुका है। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक साक्ष्यों सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई प्रतीत होती है।पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

हसनपुर में मिलेट्स गोष्ठी के अंतर्गत किसानों को योजनाओं की दी गई जानकारी

ब्लॉक प्रमुख पुत्र बोले- डबल इंजन सरकार से सुधर रही दशा, बोरवेल व जलभराव से बच्चों को दूर रखें

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- उपसंभाग परिसर हसनपुर में गुरुवार को उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुत्थान कार्यक्रम के तहत ब्लॉक स्तरीय गोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख पुत्र मुदित गुर्जर ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार विभिन्न योजनाओं से किसानों की दशा सुधार रही है। विषय वस्तु विशेषज्ञ कपिल कुमार ने किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम कुसुम योजना, कृषि यंत्रीकरण योजना और पीएम सूर्य घर योजना की जानकारी दी। पूर्व एडीओ पीपी रामपाल ने कृषि रक्षा रसायन व कीट रोग नियंत्रण के बारे में बताया। सभापति कृष्ण कुमार शर्मा ने मध्य प्रदेश में बोरवेल में गिरने से 4 साल के बच्चे की मौत का हवाला देकर किसानों से अपील की कि खुले बोरवेल को तुरंत नष्ट करें। बरसात में गड्ढों, लैट्रीन के गड्ढों, ईंट भट्ठों के पास के गड्ढों और ट्यूबवेल की पुलिया में जलभराव से बच्चों को दूर रखें। गोष्ठी में चंद्रप्रकाश शर्मा, महिपाल, हरकेश सिंह, धर्मपाल सिंह व कृषि विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी, पहचान में जुटी पुलिस

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नजीबाबाद-किरतपुर मार्ग स्थित धारिका फार्म के पास गुरुवार सुबह करीब 60 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे शव पड़े होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह राहगीरों ने नजीबाबाद-किरतपुर मार्ग पर धारिका फार्म के निकट एक महिला का शव पड़ा देखा। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से उसकी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस के अनुसार मृतका की उम्र लगभग 60 वर्ष प्रतीत हो रही है। महिला के पास ऐसा कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। घटना की सूचना फैलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का मिलान किया जा रहा है और स्थानीय लोगों की मदद से महिला की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है।

ट्वीट से मिली सूचना पर अमरोहा पुलिस की तत्परता

30 मिनट में युवक को बरामद कर बचाई जान, काउंसलिंग कर दी नई उम्मीद

अमरोहा (सब का सपना):- एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन में अमरोहा पुलिस ने सोशल मीडिया से मिली सूचना पर त्वरित कार्रवाई कर एक जान बचा ली। ट्वीट के जरिए सुसाइड नोट की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और 30 मिनट में युवक को सकुशल बरामद कर लिया। सोशल मीडिया सेल को ट्वीट से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने सुसाइड नोट छोड़ा है। सेल ने तुरंत थाना अमरोहा देहात पुलिस को अलर्ट किया। पुलिस ने बिना देरी संभावित स्थानों पर तलाश शुरू की और आधे घंटे में युवक को सुरक्षित ढूंढ निकाला। थाने लाकर पुलिस ने युवक की काउंसलिंग की। उसकी समस्या सुनी और परिजनों के सामने भावनात्मक सहयोग दिया। समझाइश के बाद युवक की मानसिक स्थिति सामान्य है और वह पूरी तरह सुरक्षित है। पुलिस ने अपील की है कि मानसिक तनाव या अवसाद में परिजनों, मित्रों या पुलिस से संपर्क करें। समय पर मिला सहयोग जान बचा सकता है। अमरोहा पुलिस सोशल मीडिया की हर सूचना को गंभीरता से लेती है।

लीना सिंघल ने सरस्वती पुस्तकालय के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का किया स्वागत

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- भाजपा नेत्री लीना सिंघल के जनसंपर्क कार्यालय में सरस्वती पुस्तकालय के नवनिर्वाचित अध्यक्ष उमापति गर्ग एवं सचिन प्रदीप डेजी के नेतृत्व में पुस्तकालय समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शॉल एवं पटका पहनाकर तथा माल्यार्पण से भाजपा की पूर्व क्षेत्रीय मंत्री एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लीना सिंघल ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर लीना सिंघल ने कहा की पुस्तक इंसान की सबसे अच्छी और सच्ची दोस्त होती हैं तथा हमको जीवन के विभिन्न विषयों की जानकारियां देती हैं। इस अवसर पर लीना सिंघल ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की उनके नेतृत्व में पुस्तकालय का लाभ समाज के सभी वर्गों को मिलेगा और उन्होंने कहा की सरकार से डिजिटल लाइब्रेरी की योजना का लाभ दिलाने के लिए पूरी मदद करूंगी तथा पुस्तकालय के सर्वांगीण विकास के लिए हर समय उपलब्ध हूं इस अवसर पर संस्था के सचिव प्रदीप ने सभी सदस्यों एवं पदाधिकारी का परिचय कराते हुए शानदार एवं भव्य स्वागत समारोह के लिए लीना सिंघल का आभार व्यक्त किया और उनको पुस्तकालय में आने के लिए आमंत्रित किया तथा पुस्तकालय के अध्यक्ष उमापति गर्ग ने लीना सिंघल का आभार व्यक्त करते हुए उनको भरोसा दिया की पुस्तकालय के लिए हर संभव कार्य करूंगा। इस अवसर पर पंकज अग्रवाल हरिओम सिंघल गिरी सिंघल हार्दिक अग्रवाल अखिल अग्रवाल दिनेश खन्ना मधुर गर्ग प्रमोद मिश्रा आदि पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन कपिल चौधरी ने किया एवं अंजू सिंह विष्णु कुशवाहा गायत्री निराला, राजन राजपूत आदि का सहयोग रहा।

आम बहार आपके द्वार में विधायक तसलीम अहमद ने किया वृक्षारोपण

विधायक तसलीम ने 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाने की अपील की

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- आम बहार आपके द्वार अभियान के तहत नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद ने वृक्षारोपण कर किया शुभारंम। विगत 01 जुलाई से 07 जुलाई तक चलने वाले उत्तर प्रदेश वन महोत्सव 2026 के दौरान आज अपनी विधानसभा क्षेत्र नजीबाबाद के मूलचंद एकेडमी स्कूल में नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद द्वारा द्वारा वृक्षारोपण किया गया। विधायक हाजी तसलीम अहमद ने कहा की पूरे प्रदेश में 1 से 7 जुलाई तक चलने वाले वन महोत्सव 2026 की शुरूआत हो चुकी है। इस वर्ष 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत वन विभाग 'आम बहार-आपके द्वार' अभियान चला रहा है, जिसमें प्रदेश भर के विकास खंडों में देशी आम के पौधे मुफ्त वितरित किए जा रहे हैं। विधायक हाजी तसलीम अहमद ने अपील करती हुए कहा की'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधे लगाकर महोत्सव मानाने का कार्य करें। इस अवसर पर सामाजिक वानिकी के वन रेंजर रामकुमार, डिप्टी रेंजर हरगोविंद शर्मा, वन दरोगा, तेजपाल सिंह, राजकुमार, दीपक, यामीन, अकरम, मो० उमर सहित समस्त स्टाफ की मौजूदगी में जाहिद अंसारी, नईम मकरानी, इंजी शादाब हैदर, नितिन कश्यप, अनवर खान मंसूब, मरगूब प्रधान व स्कूल का प्रबंधन स्टाफ मौजूद रहे।

विशाल विधिक साक्षरता एवं सशक्तीकरण शिविर में विभिन्न विभागों के 22 अधिकारियों ने लाभकारी योजनाओं की दी जानकारी

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान एवं कुशल निर्देशन में समग्र विद्यालय नबलपुर बैराज में एक भव्य एवं अत्यंत प्रभावी विधिक साक्षरता व सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव डॉ. मनु कालिया, जनपद न्यायाधीश संजय कुमार (7इँ) तथा जिला अधिकारी जसजीत कौर की गरिमामयी उपस्थिति एवं नेतृत्व में जनपद के समस्त विभागों के शीर्ष अधिकारियों की सहभागिता के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर एक विशेष लोक अदालत का आयोजन भी किया गया, जिसमें न्यायालय द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 20 वादों का सफल निस्तारण किया गया। शिविर में सर्वप्रथम लोकेश नागर अपर जिला जज बिजनौर, प्रीति चौधरी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बिजनौर, स्वाति चंद्रा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिजनौर, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण गोपाल सिंह, उप जिलाधिकारी सदर रितु रानी (ऋतु चौधरी), पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे, तहसीलदार सदर आशीष सक्सेना, खंड विकास अधिकारी राजवीर सिंह, डीसी जयरामजी आर.बी. यादव, प्रधानाचार्य आईटीआई मंजुल मयंक, जिला कृषि अधिकारी जसवीर तेवतिया, डीआरडीए आलोक वर्मा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी ए. एन. त्रिपाठी (ए. एम. त्रिपाठी), दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी मनीष मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं भारी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। शिविर की मुख्य अतिथि सदस्य सचिव डॉ. मनु कालिया द्वारा उपस्थित ग्रामवासियों की विभिन्न विधिक एवं प्रशासनिक समस्याओं को अत्यंत गंभीरतापूर्वक सुना गया। उन्होंने समस्याओं के त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु कार्यक्रम में उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि आगामी सप्ताह में सभी संबंधित विभाग ग्रामीण क्षेत्र में अपने-अपने विभागीय काउंटर स्थापित करना सुनिश्चित करें, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही प्रभावी निराकरण किया जा सके। जनपद न्यायाधीश संजय कुमार (7इँ) ने उपस्थित समस्त ग्रामीणवासियों को अपने आशीर्वचनों से अनुगृहीत करते हुए शिविर में आने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने जनहित में आश्वस्त किया कि भविष्य में भी ग्रामीणों की विधिक आवश्यकताओं और समस्याओं के समाधान के लिए इस प्रकार के वृहद विधिक शिविरों का निरंतर आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा जनपद में आयोजित किए जाने वाले रोजगार मेलों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंक ऋण (लोन) प्राप्त करने की पात्रता, सरल प्रक्रिया एवं शासकीय सुविधाओं के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासी शर्मिला ज्योत्सना द्वारा क्षेत्र के बारे में समस्या बताई गई प्रशासन द्वारा समस्या के समाधान हेतु आश्वस्त किया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ए. एन. त्रिपाठी द्वारा श्रमिक हितों व कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई उप जिलाधिकारी (एसडीएम) सदर ऋतु चौधरी द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया कि उनके प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी शिविर का सफल एवं प्रभावी संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिजनौर की सचिव स्वाति चंद्रा द्वारा किया गया, कार्यक्रम में कुल 22 अधिकारियों की उपस्थिति रही तथा लगभग 200 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श हेतु मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आगंतुकों एवं अतिथियों का स्वागत सजीव पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए किया गया।

पर्यावरण संवर्धन के उद्देश्य से कार्यक्रम स्थल पर पौधारोपण भी किया गया तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण के लिए सभी को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को शैक्षिक प्रोत्साहन के रूप में स्टेशनरी सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही जानकारी दी गई कि कार्यक्रम के एक सप्ताह बाद आमजन के हित में एक विशेष पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) कैंप आयोजित किया जाएगा, जिसमें पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण कर विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

गजरौला के तिगरी में मेडिकल की दुकान से हजारों की नगदी लेकर चोर फरार

गजरौला थाना प्रभारी ने चोरी की घटना से किया इन्कार,जबकि हल्का इंचार्ज बोले मामले में चल रही है जांच

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव तिगरी गंगा धाम में एक मेडिकल में बुधवार और गुरुवार की मध्य रात्रि चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देते हुए हजारों रुपए की नगदी पर हाथ साफ किया और मौके से फरार हो गए। चोरी की घटना का पता मेडिकल स्वामी को उस समय लगा जब गुरुवार की सुबह उसने अपना मेडिकल खोला। मेडिकल स्वामी का कहना है कि चोर दुकान में रखी 90 हजार रुपए की नगदी चुराकर फरार हो गए। उधर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बता दें कि पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव तिगरी गंगा धाम का है जहां पर चोरों ने एक मेडिकल का शटर तोड़कर उसमें चोरी की घटना को अंजाम देते हुए मौके से करीब 90 रुपए नगदी पर हाथ से साफ किया और मौके से फरार हो गए। इस घटना की जानकारी देते हुए गांव निवासी मेडिकल स्वामी पवन किशोर शर्मा ने बताया कि उन्हें इस घटना का पता उसे समय लगा जब वह गुरुवार को अपना मेडिकल रोजाना की तरह खोलने गए थे तो उन्होंने देखा कि उनकी दुकान का शटर थोड़ा सा ऊपर उठा हुआ है उन्होंने पूरा शूटर उठाया तो दुकान में लगा शीशा भी पूरी तरह टूटा हुआ था जिसको देखकर वह हक्का-बक्का रह गए और उन्होंने मेडिकल में इधर-उधर देखा तो उन्हें शक हुआ कि मेडिकल में चोरी हुई है इस पर उन्होंने अपनी दुकान के गल्ले में देखा तो उसमें उनके द्वारा रखे हुए रुपए गायब थे। मेडिकल स्वामी पवन किशोर शर्मा का कहना है कि उनके गले में करीब करीब 90 हजार रुपए रखे हुए थे जिनको चोर चुरा कर ले गए हैं। घटना के बाद उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई जिसने घटनास्थल का मुआयना किया और मामले की जांच में जुट गई। उधर इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि क्षेत्र के गांव तिगरी में चोरी की कोई घटना नहीं हुई है और ना ही ऐसा मामला उनके संज्ञान में है जबकि इस घटना के बारे में हलका इंचार्ज सरज कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि गांव तिगरी में एक मेडिकल में चोरी की घटना हुई है मामले की जांच पड़ताल चल रही है।

सब्दलपुर-कमालपुर मार्ग पर सड़क धंसी, बड़ा गड्ढा बना

राजबाहे के पास हादसे का खतरा, पीडब्ल्यूडी बोला- जल्द भरवाएंगे गड्ढा

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- ऊंचागांव ब्लॉक के सब्दलपुर-कमालपुर मार्ग पर राजबाहे के पास सड़क धंसने से गहरा गड्ढा हो गया है। इससे वाहन चालकों और राहगीरों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। रात में हादसे का खतरा बढ़ गया है। यह मार्ग सब्दलपुर, कमालपुर और रघुनाथपुर समेत कई गांवों को जोड़ता है। रोजाना बड़ी संख्या में चारपहिया, दोपहिया और स्कूली वाहन गुजरते हैं। ग्रामीण राकेश, राजेश, रमेश व गोविंद ने बताया कि बारिश में सड़क पर पानी भरने से सड़क नीचे धंस गई। रात में अचानक गड्ढा सामने आने से चालकों का संतुलन बिगड़ जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि फिलहाल लोग एक-दूसरे को सावधान कर रहे हैं। संबंधित विभाग ने न तो चेतावनी बोर्ड लगाया है और न ही गड्ढा भरने का काम शुरू किया है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता प्रताप सिंह ने कहा कि सड़क धंसने की सूचना मिल गई है। जल्द ही गड्ढा भरवाकर सड़क ठीक करा दी जाएगी।

बुगरासी पुलिस चौकी में जलभराव, फरियादियों को परेशानी

नाला चोक होने से चौकी जलमग्न, गंदे पानी से होकर जाना मजबूरी

बुगरासी/बुलंदशहर(सब का सपना):- गुरुवार सुबह तेज बारिश के बाद बुगरासी पुलिस चौकी जलमग्न हो गई। नाले की सफाई न होने से गंदा पानी चौकी में भर गया। फरियादियों को शिकायत दर्ज कराने के लिए गंदे-बदबूदार पानी से होकर चौकी में जाना पड़ रहा है। चौकी के सामने का नाला कचरे से अटा है। गंदे पानी से गुजरने पर चर्म रोग का खतरा बना हुआ है। चौकी इंचार्ज से मिलने वाले फरियादियों को भी इसी पानी से निकलकर जाना पड़ रहा है। पुलिसकर्मियों को भी आने-जाने में दिक्कत हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौकी में जलभराव कोई नई बात नहीं है। हर साल बारिश में यही हाल होता है। आरोप है कि नगर पंचायत ने नालों की सफाई नहीं कराई। अगर नाले साफ होते तो पहली बारिश में चौकी नहीं डूबती। अब देखना है कि नगर पंचायत के अधिकारी कब संज्ञान लेते हैं और चौकी को गंदे पानी से निजात कब मिलती है।

CA Day एवं Doctors' Day पर डॉक्टरों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- लायंस क्लब बुलंदशहर मिडटाउन ग्रेट द्वारा उअ ऊ्‌ट एवं ऊ्‌ङ्क३ङ्क१२' ऊ्‌ट के अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टरों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को उनके उत्कृष्ट योगदान और समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष लायन विशाल अरोरा, सचिव लायन मुकेश शर्मा, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (2025झ26) टखऋलायन संजीव तोमर तथा डायरेक्टर लायन राजेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि डॉक्टरों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का समाज के स्वास्थ्य एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अंत में सभी सम्मानित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

जिला विद्युत समिति की बैठक में सांसद भोला सिंह सख्त, आरडीएसएस कार्यों में देरी पर कार्रवाई के निर्देश

बुलन्दशहर (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में सांसद भोला सिंह की अध्यक्षता एवं जिलाधिकारी कुमार हर्ष की मौजूदगी में जिला विद्युत समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आरडीएसएस योजना एवं बिजनेस प्लान की प्रगति की समीक्षा की गई। सांसद ने कार्यों में देरी पर कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए तथा विद्युत समिति की नियमित बैठकें कराने और पूर्व बैठकों के निर्णयों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा करने को कहा। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया ने गुलावठी क्षेत्र में लंबी बिजली कटौती और बिजली चोरी के खिलाफ अभियान में अवैध वसूली की शिकायत उठाई। विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार विद्युत आपूर्ति, बिना कैमरे के छापेमारी न करने तथा चोला क्षेत्र में दो नए विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने की मांग रखी। अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सिकंदराबाद में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा का स्वागत

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा के विधानसभा सिकंदराबाद आगमन पर विधायक लक्ष्मीराज सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्पगुच्छ व माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, जनसंपर्क और आगामी संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा हुई। विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने कहा कि सुरेश राणा का अनुभव और मार्गदर्शन कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
शुक्रवार 03 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

डीएम-एसडीएम के आदेश बेअसर, कैंसर पीड़ित की पत्नी 3 साल से पैमाइश को भटक रही

6 बीघा की जगह आधा बीघा जमीन निकालकर कर दी खानापूर्ति, पूरा सेक्टर नहीं नापा

शाहबाद/रामपुर (सब का सपना):- तहसील शाहबाद के ग्राम डोहरिया में राजस्व विभाग की लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। यहां कैंसर पीड़ित किसान की पत्नी तीन साल से अपनी जमीन की पैमाइश के लिए अफसरों के चक्कर काट रही है। जिलाधिकारी और उप जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद कानूनगो व लेखपाल ने 11.39 बीघा जमीन में से सिर्फ आधा बीघा निकालकर खानापूर्ति कर दी। मामला ग्राम डोहरिया निवासी मौ० नगरिया का है। प्रार्थिनी के नाम गाटा संख्या-552 में 0.7210 हेक्टेयर यानी 11.39 बीघा कृषि भूमि दर्ज है। प्रार्थिनी का आरोप है कि उसकी जमीन पर पड़ोसियों ने कब्जा कर रखा है। पैमाइश के लिए वह 2023 से राजस्व विभाग के चक्कर लगा रही है। प्रार्थिनी ने बताया कि धारा-24, उ0प्र0रा0 संहिता-2006 के तहत उप जिलाधिकारी कार्यालय में पैमाइश का वाद दायर किया था। 28 नवंबर 2024 को एसडीएम ने पक्की पैमाइश के आदेश जारी किए, लेकिन राजस्व टीम ने कोई कार्रवाई नहीं की। थक-हारकर प्रार्थिनी ने 2 जून 2026 को जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा। डीएम के निर्देश पर 27 जून 2026 को हल्का राजस्व निरीक्षक टीम के साथ मौके पर पहुंचा। आरोप है कि टीम ने पूरे सेक्टर की माप करने के बजाय सिर्फ एक पड़ोसी के खेत में नाप की। इसमें मात्र 08 डेसीमल यानी आधा बीघा जमीन निकाली गई और पैमाइश पूर्ण दिखा दी गई। प्रार्थिनी ने बताया कि उसकी 11.39 बीघा में से अब भी करीब 6 बीघा जमीन कम है। पूर्व राजस्व निरीक्षक की माप और वर्तमान राजस्व निरीक्षक की माप में भी भिन्नता है। वह मौजूदा पैमाइश से संतुष्ट नहीं है। पीड़िता ने बताया कि उसके पति ब्लड कैंसर से पीड़ित हैं। इलाज में काफी पैसा खर्च हो रहा है। अगर पूरी जमीन का कब्जा नहीं मिला तो परिवार पर आर्थिक संकट आ जाएगा। खेती ही परिवार की आजीविका का एकमात्र साधन है। प्रार्थिनी ने जिलाधिकारी को दोबारा प्रार्थना पत्र देकर गाटा संख्या-552 की पूरी जमीन की पैमाइश कराकर कब्जा दिलाने की मांग की है। उसने कहा कि तीन साल से वह न्याय के लिए भटक रही है। अफसरों के आदेश का भी राजस्वकर्मी पालन नहीं कर रहे। राजस्व संहिता 2006 की धारा-24 के तहत पैमाइश के आवेदन पर एसडीएम को 3 माह में निस्तारण करना होता है। पक्की पैमाइश में पूरे चक/सेक्टर की माप कर पत्थरगड्डी की जाती है। सिर्फ एक खेत की माप कर पैमाइश पूर्ण नहीं मानी जा सकती। इस संबंध में जब एसडीएम शाहबाद से बात करने का प्रयास किया गया तो उनसे संपर्क नहीं हो सका। तहसील के अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी।

श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियों का संयुक्त निरीक्षण, एसएसपी बुलन्दशहर व एसपी हापुड़ ने दिए आवश्यक निर्देश

बुलन्दशहर (सब का सपना):- आगामी श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं व्यवस्थित संपन्न कराने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक हापुड़ कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने गुरुवार को दोनों जनपदों से होकर गुजरने वाले प्रमुख कांवड़ मार्गों तथा गंगा एक्सप्रेस-वे का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, बैरिकेडिंग, पार्किंग, डायवर्जन, संवेदनशील स्थलों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों को प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली एवं आपातकालीन सेवाओं सहित सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

शातिर बदमाश इरशाद अली के पैर में लगी गोली, दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोचा

बाहरी दिल्ली। नरेला इंडस्ट्रियल एरिया अंतर्गत बुधवार देर रात सन्नोथ गांव के पास दिल्ली पुलिस के बाहरी उत्तरी जिले की एएटीएस टीम के साथ संक्षिप्त गोलीबारी के बाद वांछित अपराधी इरशाद अली उर्फ सुकर अली को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपित ने कथित तौर पर रोके जाने पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें उसके पैर में गोली लगी। जांच में पता चला कि वह कई मामलों में वांछित था। पुलिस उपायुक्त शोभित दी सक्सेना का कहना है कि इरशाद अली उर्फ सुकर अली जेजे कॉलोनी, बवाना करने वाला है और आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ कई झपटमारी और लूटपाट के मामले दर्ज थे। फिलहाल पुलिस की इस बाबत जांच जारी है।

दिल्ली की बिजली कंपनियों का होगा सीएजी ऑडिट, डिस्काम की जांच से खुलेगा 38,000 करोड़ की देनदारी का राज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने निजी बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के खातों की कैग ऑडिट का आदेश दिया है। पिछले माह बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस ने कैग ऑडिट के विरोध में दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। उसके बाद दिल्ली सरकार ने यह आदेश दिया है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि बिजली क्षेत्र के निजीकरण के बाद वर्षों तक अनेक वित्तीय निर्णय, विशेष व्यवस्थाएं और लगातार बढ़ती देनदारी की सार्वजनिक जांच नहीं हो सकी। आम आदमी पार्टी पर मंत्री ने बोला हमला पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने व्यवस्था की जांच करने के बजाय उसे संरक्षण देने का काम किया था। जो कार्य वे दस वर्षों में नहीं कर सके, हमारी सरकार ने कुछ ही महीनों में उसकी शुरूआत कर दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि लगातार नियामक परिसंपत्ति कैसे बढ़ती रही और यह लगभग 38,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इसका बोझ दिल्ली के लोगों पर पड़ा। कैग ऑडिट इन सभी तथ्यों को सामने लाएगा। ऑडिट से बिजली व्यवस्था में होंगे जरूरी सुधार ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह केवल पूर्व सरकार के कामों की जांच नहीं है बल्कि यह ऑडिट तो दिल्ली के बिजली क्षेत्र में व्यापक सुधारों की आधारशिला है। इसकी वास्तविक सफलता उन सुधारात्मक कदमों, अधिक प्रभावी नियमन और मजबूत जवाबदेही से तय होगी जो इसके बाद लागू किए जाएंगे। दिल्ली का कोई भी ईमानदार करदाता किसी के निजी हितों, विशेष कृपा या गलत निर्णयों की कीमत चुकाने के लिए मजबूर नहीं होगा। जनता के धन का प्रत्येक रुपया सुरक्षित रखना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है। हमारी सरकार ने पूरी प्रक्रिया कानून के अनुरूप और पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूरी की है। अब हमें सभी डिस्काम से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा है।

नाले के आगे तोड़फोड़, जेसीबी के आगे लेटे व्यापारी, हंगामा

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बे में बृहस्पतिवार को नगर पंचायत प्रशासन ने पुलिस फोर्स के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया अतिक्रमण तोड़ने को लेकर व्यापारी जेसीबी मशीन के आगे लेट गए। व्यापारियों ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए खूब हंगामा किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की तीखी नोंकझोक हुई। बता दे कि नगर पंचायत कार्यालय से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हुआ। बालका मोड से लेकर जहांगीराबाद मोड़ चौराहे तक शांतिपूर्ण ढंग से अतिक्रमण हटाया गया। स्याना रोड पर जेसीबी की मदद से कई पक्के निर्माण तोड़ डाले।मेडिकल स्वामी रवि वर्मा ने टीम को आड़े हाथों ले लिया। इस दौरान व्यापारियों ने हंगामा किया, सूचना पर अखिल भारतीय व्यापारी सुरक्षा फोरम के नगराध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता दर्जनभर व्यापारियों के साथ मौके पर पहुंचे ओर उन्होंने बगैर नोटिस दिए ही तोड़फोड़ की कार्रवाई को गलत बताया। टीम पीएनबी बैंक के सामने पहुंची। यहां तोड़फोड़ करते हुए टीम सदर बाजार पहुंच गई। तीन चार व्यापारियों की दुकानों के आगे से तोड़फोड़ होती देख व्यापारी लामबंद हो गए और जेसीबी मशीन के आगे व्यापारी लेट गए। उन्होंने हंगामा करते हुए ईओ रोहित सिंह का घेराव करते हुए शाम तक की मोहलत मांगी। मौके की नजाकत को देखते हुए ईओ ने व्यापारियों को शाम तक का समय दे दिया। पुरानी सब्जी मंडी से लेकर जामा मस्जिद तक जेसीबी मशीन पर खुद ईओ सवार हो गए ओर नाले के आगे हो रहे अतिक्रमण को तोड़ डाला। अतिक्रमण हटाओ अभियान के पहले दिन अतिक्रमण कारियों से जुमार्ना वसूला गया है। अभियान आगे भी जारी रहेगा।:- रोहित सिंह, ईओ, नगर पंचायत, औरंगाबाद

पुरानी रंजिश में युवक को पीटा, घर पर रॉड-डंडों से हमला

जहांगीराबाद में तीन बार हमले का आरोप, पीड़ित ने कोतवाली में दी तहरीर

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- औरंगाबाद के चांदौचा गांव में पुरानी रंजिश के चलते युवक से मारपीट और घर पर हमले का मामला सामने आया है। पीड़ित जयप्रकाश उर्फ देवू सैनी ने कोतवाली में तहरीर देकर गांव के ही सुमित, अशोक, सत्यवीर व मोनू पर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के मुताबिक 24 जून 2026 की शाम 8 बजे सुमित ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि रात 9:30 बजे अशोक, सत्यवीर, मोनू व अन्य लोग लोहे की रॉड और डंडे लेकर घर पर हमला करने पहुंचे। अगली सुबह 25 जून को आरोपियों ने दोबारा हमला किया। रॉड-डंडों से पिटाई में उसे गंभीर चोटें आई हैं। जयप्रकाश ने थाना प्रभारी को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बसपा छोड़ उपदेश कुमार जाटव समाजवादी पार्टी में शामिल

बुलन्दशहर (सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर गुरुवार को जिलाध्यक्ष मतलूब अली की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ग्राम हुर्तला निवासी उपदेश कुमार जाटव ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिलाध्यक्ष ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक) के सामाजिक न्याय के संदेश से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में हाजी अख्तर, दिनेश गुर्जर, ठाकुर धीरेन्द्र सिंह, महेन्द्र भाटी, विनीत राणा, प्रेमवीर यादव, सतीश गौतम, वेदप्रकाश पाल, राजेन्द्र तेवतिया और नवाब शाह जलाली सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'वैवाहिक विवादों में जीवनसाथी की निजी तस्वीरों को हथियार की तरह न करें इस्तेमाल , दिल्ली एचसी की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली। वैवाहिक मुकदमों में जीवनसाथी की निजी तस्वीरों व अंतरंग सामग्री को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने पर चेतावनी देते हुए कहा कि अलग हो रहे जीवनसाथी के बीच एक-दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ में नहीं बदला जाना चाहिए। अदालत ने उक्त टिप्पणी यह नोट करते हुए की कि पहले पति ने पत्नी की निजी तस्वीरें और वीडियो कोर्ट रिकार्ड पर पेश कीं और बाद में पत्नी ने भी बदले की भावना से पति की कुछ आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो कोर्ट रिकार्ड में पेश किए। दोनों की शादी 2022 में हुई थी। 2023 में पत्नी ने पर किया था मामला दर्ज हालांकि, 2023 में पत्नी ने पति और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा क्रूरता और उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया था। इसके बाद, पति ने तलाक की अर्जी दायर की। बाद में पत्नी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उसके पति ने कोर्ट रिकार्ड में कुछ ऐसी अंतरंग तस्वीरें पेश करके उसकी निजता के अधिकार का उल्लंघन किया है, जो उसने अपने डॉक्टर के साथ वाट्सएप चैट पर साझा की थीं। महिला ने यह भी कहा कि पति ने हाई कोर्ट द्वारा 2015 में पारित उस आदेश का उल्लंघन किया है, जिसके तहत वैवाहिक विवादों के हिस्से के रूप में संवेदनशील सामग्री या निजी तस्वीरें दाखिल करने से पहले फैमिली कोर्ट से अनुमति लेना आवश्यक है।

दिन की लू ही नहीं, अब रात की गर्मी भी बन रही है 'पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी'; एक्सपर्ट्स ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन और तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच भारतीय शहरों में रात के समय बढ़ती गर्मी एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि शहरों में अब रातें दिनों की तुलना में अधिक तेजी से गर्म हो रही हैं, जिससे लोगों की नींद प्रभावित हो रही है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ रहे हैं। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, कंक्रीट के बढ़ते जंगल, सिकुड़ते हरित क्षेत्र और शहरी हीट आइलैंड प्रभाव के कारण शहर दिनभर की गर्मी को अपने भीतर समेट लेते हैं और रात के दौरान धीरे-धीरे उसे छोड़ते हैं। इसके चलते लोगों को रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। कई शहरों में बढ़ीं बेहद गर्म रातें अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2012 से 2022 के बीच कई प्रमुख भारतीय शहरों में अत्यधिक गर्म रातों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद में सबसे अधिक 15 अतिरिक्त गर्म रातें दर्ज हुईं, जबकि मुंबई में 11, बेंगलुरु में 8, जयपुर में 7, दिल्ली में 6 और चेन्नई में 4 अतिरिक्त गर्म रातें रेकार्ड की गईं। विशेषज्ञों का कहना है कि रात के समय तापमान में यह बढ़ोतरी लोगों की शारीरिक रिकवरी प्रक्रिया को प्रभावित कर रही है, क्योंकि शरीर को दिनभर की गर्मी से उबरने के लिए ठंडे वातावरण की आवश्यकता होती है। दिल्ली में ह्यनाइट अर्बन हीट आइलैंड का असर रिपोर्ट में दिल्ली को उन शहरों में शामिल किया गया है जहां रात के समय शहरी तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में दो से चार डिग्री सेल्सियस अधिक पाया गया। वहीं, दिल्ली में नाइट अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव की तीव्रता चार से छह डिग्री सेल्सियस तक दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर है, जहां खुले स्थानों और हरित क्षेत्रों की कमी के कारण गर्मी लंबे समय तक बनी रहती है। नींद और स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि रात के समय अधिक तापमान रहने से शरीर की प्राकृतिक शीतलन प्रक्रिया बाधित होती है। इससे लोगों की नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है और लंबे समय में उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, थकान तथा अन्य स्वास्थ्य जोखिम बढ़ सकते हैं। विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव अधिक देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार गर्म रातें शरीर के तापमान नियंत्रण तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। बिजली की मांग में भी हो रही वृद्धि बढ़ती गर्म रातों का असर बिजली खपत पर भी दिखाई दे रहा है।

प्रवेंद्र लोधी के नेतृत्व में हर्षोल्लास से मना अखिलेश यादव का जन्मदिन, सैकड़ों समर्थक रहे मौजूद

अनूपशहर/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र के जहांगीराबाद में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ पत्रकार एवं सपा नेता प्रवेंद्र लोधी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता, समर्थक एवं क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर अखिलेश यादव के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। जिसके बाद वृद्ध आश्रम में

पहुंचकर बुजुर्गों को फल वितरित कर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए आशीर्वाद लिया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि अखिलेश यादव की नीतियों और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ जुटे हुए हैं। प्रवेंद्र लोधी ने सभी कार्यकताओं एवं समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रति जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और आने वाले समय में प्रदेश में बदलाव की नई इबारत लिखी जाएगी।

2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए गांव गांव पीडीए यात्रा निकाली जाएगी इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष हामिद अली नगर अध्यक्ष हसीन सैफी जिला उपाध्यक्ष राज्यपाल लोधी प्रशांत शर्मा सुल्तान अंसारी खालिद सिद्दीकी धीरेंद्र राणा वसीम सैफी आबिद खान आरिफ कमल सिंह लोधी पप्पू ठाकुर मनोहर लोधी रॉबिन लोधी अमित लोधी धीरज लोधी दुष्यंत लोधी समेत सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'इस्तीफा कागजों पर, फिर भी संभाल रहे मंदिर', केजरीवाल के आरोपों पर विहिप ने कहा- सबूत दें नहीं तो प्राथमिकी दर्ज हो

नई दिल्ली। अयोध्या में श्रीरामलला जन्मभूमि मंदिर से जुड़े दान और भूमि खरीद के घोटाला विवाद को लेकर राजनीतिक विवाद गुरुवार को गहरा गया। आम आदमी पार्टी (आप) और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) आमने-सामने आ गए हैं। जहां आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए बड़े घोटाले को नजरअंदाज किए जाने का आरोप लगाया, वहीं वीएचपी ने उनके आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सबूत पेश करने या कानूनी कार्रवाई का सामना करने की बात कही है। 'एसआईटी केवल सतही स्तर पर जांच कर रही' अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि जब आप के

सांसद संजय सिंह भूमि घोटाले से जुड़े कथित सबूत एसआईटी को सौंपने पहुंचे, तो उन्हें बताया गया कि जांच केवल दान और चढ़ावे तक सीमित है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है और कागजों पर इस्तीफा देने के बावजूद वही लोग मंदिर का संचालन कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि राम मंदिर भूमि घोटाले की जांच में पारदर्शिता का अभाव है और एसआईटी केवल सतही स्तर पर जांच कर रही है। केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर हो! केजरीवाल के इन आरोपों पर वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने त्वरित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि केजरीवाल के पास इस मामले से जुड़े कोई ठोस सबूत या प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक करना चाहिए और जांच एजेंसियों को उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि बिना किसी आधार के केवल सनसनी फैलाने या समाज में अशांति पैदा करने के उद्देश्य से बयान दिया गया है, तो पुलिस को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने पर विचार करना चाहिए। तेज हो गई राजनीतिक बयानबाजी वीएचपी ने केजरीवाल के आरोपों को संवेदनशील धार्मिक मुद्दे पर बिना प्रमाण लगाए गए आरोप बताते हुए खारिज किया है। वहीं, आप का कहना है कि राम मंदिर से जुड़े कथित वित्तीय और भूमि मामलों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच होनी चाहिए। बता दें कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद राम मंदिर से जुड़े विवाद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी और तेज हो गई है।

दिल्ली में अनधिकृत कॉलोनी वालों के लिए आखिरी मौका ! 31 अक्टूबर तक करें आवेदन, वरना छूटेगा हक

नई दिल्ली। दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लाखों लोगों के लिए बड़ी खबर है। दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनी आवास अधिकार योजना (पीएम-उदय) के तहत संपत्ति के मालिकाना हक से जुड़े आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित कर दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस समय-सीमा के बाद कोई नया आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। संपत्ति हस्तांतरण विलेख अथवा प्राधिकार पर्ची राजस्व विभाग की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को संपत्ति हस्तांतरण विलेख अथवा प्राधिकार पर्ची प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय के भीतर आवेदन करना होगा। सरकारी भूमि पर बने मकानों के लिए संपत्ति

हस्तांतरण विलेख जारी किया जाता है, जबकि निजी भूमि पर विकसित अनधिकृत कॉलोनियों में स्थित मकानों के लिए प्राधिकार पर्ची दी जाती है। अब तक केवल 2,000 आवेदन मिले ये दोनों दस्तावेज दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) से नियमितीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए अनिवार्य हैं। नियमितीकरण प्रमाण-पत्र मिलने के बाद संपत्ति का कानूनी दर्जा मजबूत होगा और भविष्य में संपत्ति की खरीद-फरोख्त, बैंक ऋण तथा अन्य सरकारी सुविधाएं प्राप्त करना आसान हो सकेगा। दिल्ली सरकार के अधिकारियों के अनुसार राजधानी की 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों के लिए यह व्यवस्था लागू है। हालांकि अब तक अपेक्षा के अनुरूप आवेदन नहीं मिले हैं। राजस्व विभाग को इन कॉलोनियों के निवासियों से अब तक केवल करीब 2,000 आवेदन ही प्राप्त हुए हैं, जबकि इन कालोनियों में बड़ी संख्या में लोग निवास करते हैं। इसी को देखते हुए सरकार ने लोगों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है। कानूनी अधिकार और नियमितीकरण का इंतजार गौरतलब है कि अप्रैल 2026 में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दिल्ली की 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों को जैसी हैं, वैसी ही के आधार पर नियमित करने का फैसला किया था। इस निर्णय के तहत नियमितीकरण के लिए पहले की तरह स्वीकृत भवन नक्शा प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं रहेगा। इससे उन लाखों परिवारों को राहत मिली है, जो वर्षों से अपने मकानों के कानूनी अधिकार और नियमितीकरण का इंतजार कर रहे थे। सरकार का कहना है कि पीएम-उदय योजना का उद्देश्य अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले लोगों को उनकी संपत्तियों पर वैधानिक अधिकार उपलब्ध कराना है। इसके लिए पात्र लोगों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करना होगा।

दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में 17.70 करोड़ के सिक्योरिटी टेंडर पर बवाल, सरकार ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली। 650 करोड़ रुपये के सीपीए घोटाले की जांच के बीच अब दिल्ली सरकार के अस्पतालों में होने वाली अन्य खरीद और ठेका प्रक्रियाएं भी सवालों के घेरे में आ रही हैं। केवल केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) ही नहीं, बल्कि अस्पताल स्तर पर जारी किए गए टेंडर भी जांच के दायरे में आ गए हैं। लोकनायक (एलएन) अस्पताल का 17.70 करोड़ रुपये का सिक्योरिटी मैनपावर टेंडर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। चहेती एजेंसी को लाभ पहुंचाने की नीयत से की गई तकनीकी मूल्यांकन प्रक्रिया में की गई गड़बड़ियों को लेकर बवाल इस कदर बढ़ा कि विभाग को मामले की जांच के लिए शासन स्तर से जांच समिति गठित करनी पड़ी है। सीपीए घोटाले की जांच के दौरान कई अन्य मामलों की भी जानकारी सामने आई है, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या विभाग और अस्पतालों में ठेका तथा खरीद प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां किसी एक इकाई तक सीमित थीं या यह समस्या व्यापक स्तर पर फैली हुई थी। जेम (जीईएम) पोर्टल पर बिड नंबर जीईएम/ 2026/ बी/ 7338438 के तहत दो अप्रैल को जारी यह टेंडर एक वर्ष के लिए सुरक्षा मैनपावर उपलब्ध कराने से संबंधित था। टेंडर की अनुमानित लागत 17 करोड़ 69 लाख 86 हजार 478 रुपये निर्धारित की गई थी। एजेंसियों को लाभ पहुंचाने के लिए नियमों की अनदेखी आरोप है कि तकनीकी बोली के मूल्यांकन के दौरान कुछ एजेंसियों को लाभ पहुंचाने के लिए नियमों की अनदेखी की गई। अनुभव प्रमाण-पत्र, वार्षिक कारोबार, पात्रता शर्तों और मैनपावर से जुड़े मानकों के मूल्यांकन में गड़बड़ी का भी आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए 17 जून 2026 को स्वास्थ्य विभाग ने उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की। समिति को पूरे टेंडर की तकनीकी मूल्यांकन प्रक्रिया की जांच कर

घरेलू उपायों से करें कॉर्न्स का इलाज

कॉर्न्स को दूर करने के लिए घरेलू उपचार प्रभावी होते हैं। हालांकि कॉर्न्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कॉर्न्स के लिए घरेलू उपचार

कठोर त्वचा समय के साथ कॉर्न का रूप ले लेती है। कॉर्न्स मोटी त्वचा के धब्बे की तरह उभरता है और दबाव के माध्यम से बढ़ता है। कॉर्न्स अक्सर तेज दर्द का कारण बन सकता है। कॉर्न्स का जल्द से जल्द इलाज नहीं किए जाने पर इससे छुटकारा पाना थोड़ा कठिन हो सकता है। चिकित्सकीय रूप में कॉर्न्स केवल एक छोटी सी शल्य चिकित्सा द्वारा हटाया जा सकता है। साथ ही कॉर्न्स के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर क्रीम और औषधीय बैंड उपलब्ध हैं, लेकिन इनकी प्रकृति अधिकतर बनावटी होती हैं। इसलिए कॉर्न्स को दूर करने के लिए आप इन सिद्ध और प्रभावी घरेलू उपचार को अपना सकते हैं। हालांकि कॉर्न्स के इलाज के लिए घरेलू उपचार में समय लगता है, लेकिन यह सर्जरी की तरह प्रभावी और कम खर्च में किए जा सकते हैं।

कैमोमाइल चाय

कैमोमाइल चाय में अपने पैरों को भिगोना सुखदायक होता है और यह अस्थायी रूप से त्वचा के पीएच को बदल कर पसीने से तर पैर को सूखने में मदद करता है। गुनगुने पानी में सेंधा नमक और कैमोमाइल चाय को मिलाकर उसमें पैर भिगोना,कॉर्न्स को नर्म करने की चिकित्सा के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि चाय से पैर में दाग हो सकते हैं, लेकिन इसे आसानी से साबुन और पानी से हटाया जा सकता है।

प्यूमिक स्टोन

सबसे पहले हार्ड त्वचा को नर्म करने के लिए अपने पैरों को गीला करें। फिर हल्के दबाव का उपयोग कर, गीले प्यूमिक स्टोन को कॉर्न के आगे पीछे रगड़ें। मृत त्वचा को धोने के लिए हर कुछ मिनट के लिए रुकें, और कॉर्न्स को थोड़ा नर्म होने तक दोहराएं।

सफेद सिरका

सिरका सॉस सहित कई व्यंजन की तैयारी में प्रयोग किया जाती है। साथ ही यह पैर पर कॉर्न्स को दूर करने का एक शानदार और परखा हुआ उपाय है। सफेद सिरका आसानी से खरीदा जा सकता है। एक साफ औषधीय कॉटन बॉल लेकर उसे सफेद सिरका में डुबोकर इसे कॉर्न पर लगाएं। कॉर्न्स पर कॉटन को सुरक्षित रखने के लिए डक्ट टेप का उपयोग करें। तीन से चार घंटे तक इसे ऐसे ही छोड़ दें। निर्धारित समय के बाद डक्ट टेप और कॉटन निकाल लें।

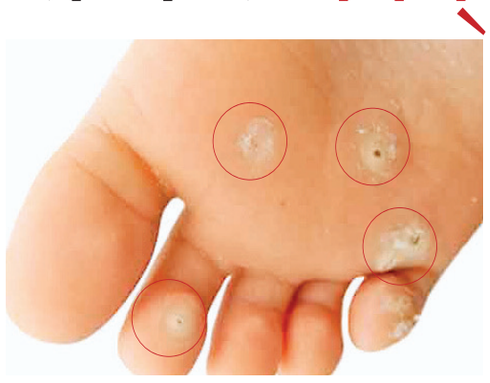

टी ट्री ऑयल

टी ट्री तेल में मौजूद एंटीफंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण इसे कॉर्न्स के इलाज के लिए बेहतर बनाते है। एक साफ कॉटन बॉल लेकर, उसपर आवश्यक तेल की पांच बूंदें डालकर कॉर्न्स पर रगडें। फिर कॉर्न्स पर कॉटन को लगा रहने दें। रात भर लगा रहने के बाद सुबह इसे पानी से धो लें।

पपीता

पैर से कॉर्न्स को दूर करने के लिए एक और बहुत ही आसान और कारगर उपाय है। पपीते में मौजूद कई एंजाइम कठिन और मृत त्वचा को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, पपीता किसी भी दर्द या बेचैनी को कम करने और यहां तक कि कॉर्न्स को सूखने और तेजी से गिरने में मदद करता है। सर्वोत्तम परिणामों के लिए, कच्चे पपीता का उपयोग करें। कच्चे पपीते के रस में कॉटन को डूबोकर उसे कॉर्न्स पर लगाएं और इसपर पट्टी के साथ सुरक्षित करें। इसे रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह धीरे से त्वचा को प्यूमिक स्टोन से एक्सोफोलिएट करें।

लहसुन

लहसुन प्रकृति से एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण यह एंटी-बैक्टीरियल और फंगल संक्र मण से लड़ने में उपयोगी होती है। लहसुन के साथ कॉर्न्स के इलाज के लिए लहसुन की तीन कली को अच्छे से भूनकर कुचलकर पाउडर बना लें। फिर लहसुन के साथ लौंग पाउडर को मिलाकर इसे कॉर्न्स पर लगाएं। इसे पट्टी से कवर करके पूरी रात के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को खोलकर गुनगुने पानी से पैरों को धो लें। इस उपाय कॉर्न्स के गायब होने तक करें।

तारपीन का तेल

तारपीन का तेल एक मजबूत एंटीसेप्टिक है, जो कॉर्न्स के इलाज में मदद करता है। तेल त्वचा में जल्दी प्रवेश कर जाता है जिससे उपचार तेजी से किया जा सकता है। एक पतले कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित क्षेत्र में दो मिनट के लिए मसाज करें। कॉर्न्स वाले हिस्से को अच्छे सुखाकर उसपर थोड़ा सा तारपीन का तेल लगाएं। फिर इस पर पट्टी बॉधकर रात भर के लिए छोड़ दें। रात को सोने से पहले इस उपाय को नियमित रूप से करें।

नींबू का रस

यह इलाज धीमी गति से काम करता है, लेकिन कॉर्न्स के लिए किसी भी अन्य घरेलू उपचार की तरह प्रभावी है। ताजा नींबू का एक चम्मच रस लेकर उसमें लौंग के दो टुकड़े मिलाएं। 15 मिनट के लिए नींबू के रस में लौंग को छोड़ दें। फिर लौंग को हटाकर, नींबू के रस को कॉर्न्स पर अच्छी तरह से रगड़ें। कुछ देर सुखने के बाद पानी से इसे साफ कर लें।

हल्दी

कॉर्न्स को दूर करने के लिए हल्दी भी बहुत अच्छा उपाय है। एंटी-इफ्लेमेंटरी प्रकृति के कारण, हल्दी परेशानी और दर्द को कम करने और उपचार को गति प्रदान करती है। एक चम्मच शहद में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को कॉर्न्स पर लगाकर इसे सुखने के लिए छोड़ दें। कॉर्न्स के निकलने तक इस उपाय को कम से कम एक सप्ताह में दिन में दो या तीन बार दोहराये।

मुलेठी

अद्भुत चिकित्सा और औषधीय गुणों के कारण आयुर्वेद में कॉर्न्स के इलाज के लिए मुलेठी की सिफारिश की जाती है। कॉर्न्स के उपचार के लिए एक चम्मच मुलेठी में पर्याप्त मात्रा में सरसों का तेल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सोने से पहले प्रभावित क्षेत्र पर लगा लें। इसपर पट्टी बांधकर रात भर के लिए छोड़ दें। अगली सुबह पट्टी को हटाकर गुनगुने पानी से उस क्षेत्र को धो लें। ऐसा तब तक करें जब तक कॉर्न्स नर्म और आकार में कम न हो जाये।

रेसिपी

हेल्दी कर्ड राइस

सामग्री

- राइस -एक कटोरी
- दही एक कटोरी
- उड़द दाल-एक छोटा चम्मच
- चने की दाल-एक छोटा चम्मच
- मूंगफली -आधी छोटी कटोरी
- दो हरी मिर्च
- एक सूखी लाल मिर्च
- एक सफेद प्याज
- चुटकीभर अदरक
- करी पत्ते 5-6
- आधा छोटा चम्मच राई
- चुटकीभर मेथी दाना
- चुटकीभर हींग
- तेल जरूरत के अनुसार
- नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले चावल को पानी में डालकर पका लें। इसके एक पैन में तेल डालें और राई, मेथी दाना, उड़द दाल, चने की दाल और सूखी लाल मिर्च डालकर भून लें। इसके बाद सफेद प्याज, अदरक, हरी मिर्च और करी पत्ते डालकर भूनें। इसी तेल में मूंगफली भी डालकर भून लें और इनमें नमक मिलाकर अलग रख लें। इसके बाद हींग डालें और सभी को अच्छे से मिक्स कर लें। अब साधारण पके हुए चावल में दही मिलाएं और दही के बाद भुनी मूंगफली डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद ऊपर से तैयार तड़का डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। तैयार हैं आपके कर्ड राइस ।

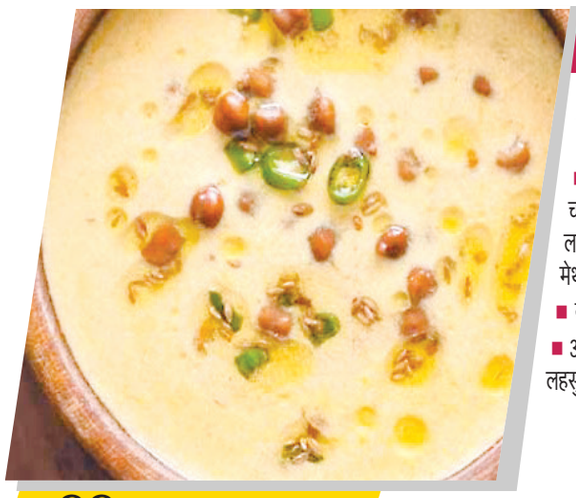

काले चने की कढ़ी

सामग्री

- भिगोए और उबले हुए काले चने
- दही
- बेसन
- एक छोटा चम्मच हल्दी
- एक बड़ा चम्मच गरम मसाला
- दो तेजपत्ता
- दो सूखी लाल मिर्च
- चुटकीभर हींग
- आधा चम्मच मेथी दाना
- आधा छोटा चम्मच जीरा
- दो हरी मिर्च
- आधा कप प्याज
- आधा कप टमाटर
- एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- दो बड़ा चम्मच तेल
- नमक

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में तेल डालें और हींग तेजपत्ता, सूखी लाल मिर्च और मेथी दाना और जीरा डालकर भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब गरम मसाला, हल्दी, और काले चने डालकर तब तक पकाएं जब तक की मसाला तेल न छोड़ने लगे। दूसरी ओर एक कटोरी में दही में बेसन डालकर अच्छी तरह घोल लें। मसाले के तेल छोड़ते ही दही वाला मिश्रण डालकर धीमी आंच पर पकाएं। धनिया पत्तियों ऊपर से डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

मनोविनोद बढ़ेगे। व्यायधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3936

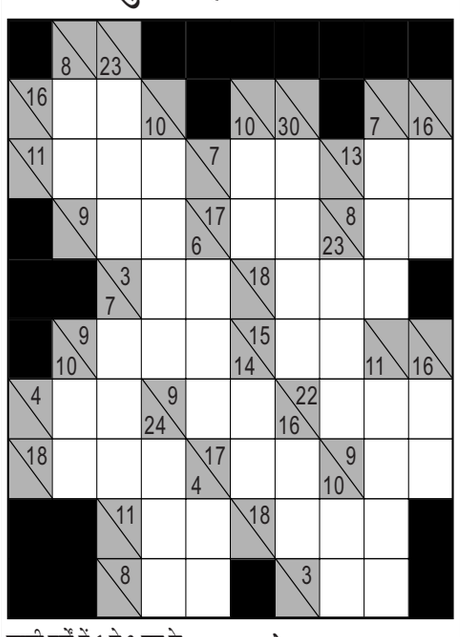

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

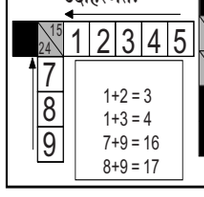

काकुरो - 3935 का हल

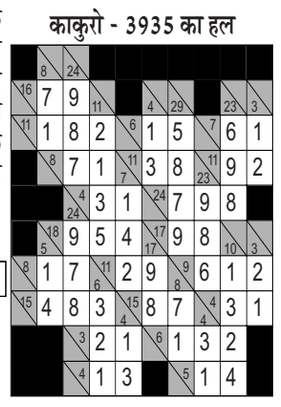

हंसी के फव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हुँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3936

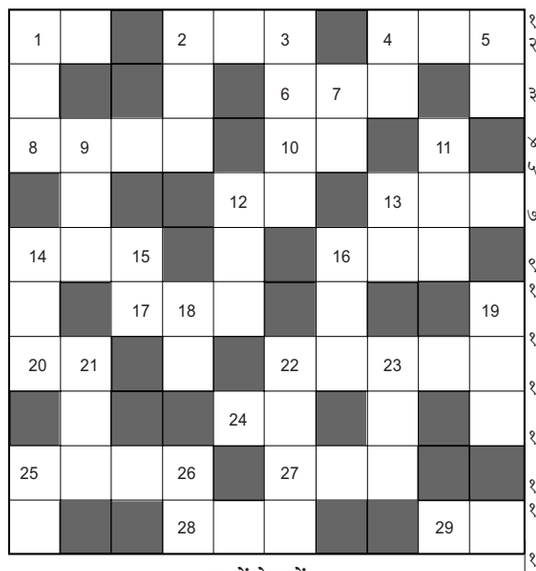

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3935

ध	ड़	क	न	■	को	■	सें	स	र
र्मा	■	र्ज	■	मो	ह	रा	■	द	■
■	कं	■	आ	■	रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न	■	■	ली	■	न
■	नी	■	की	■	ओ	म	■	हि	■
चे	■	ता	क	त	■	म	हा	रा	जा
त	ब्बू	■	स	■	दा	ता	■	स	■
ना	■	प्रे	म	रे	ग	■	सौ	त	न
■	द	म	■	श	■	स	दा	■	ग
म	र्द	■	जा	न	व	र	■	हे	मा

सूडोकु -3936

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3935 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3936

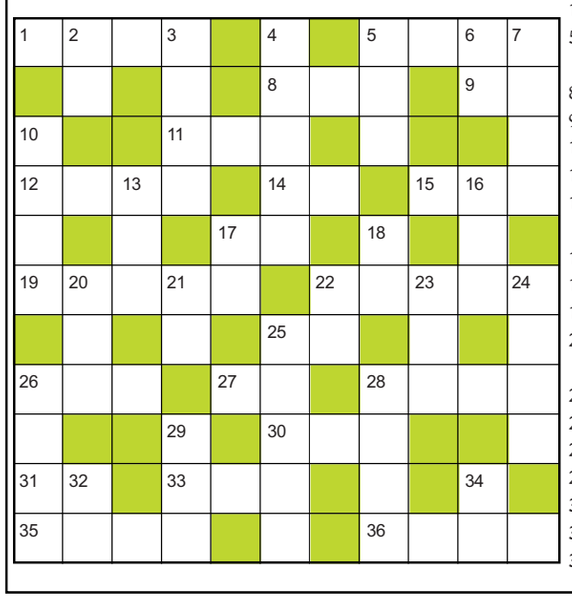

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर, परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -3935 का हल

■	सो	नि	या	जां	धी	■	म	ह	न	ता
खा	ना	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	षि	ज	■	र	ग	■	मे
व	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
चो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर काफी खुश हैं निरहुआ

निरहुआ सीरीज ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन से जुड़कर वह काफी खुश हैं। हाल ही में बातचीत में निरहुआ ने सीरीज, अपने किरदार और ओटीटी के दौर में बदलती इंडस्ट्री पर बात की।

निरहुआ ने बताया कि ग्राम चिकित्सालय उन्हें शुरू से पसंद था और पहले सीजन में शामिल न हो पाना उन्हें कहीं न कहीं खटका भी था। उन्होंने कहा, 'जब मुझे ये सीरीज ऑफर हुई तो बहुत खुश हुआ। क्योंकि मैं इसका पहला सीजन ही करना चाहता था। जब पहला सीजन आया तो मैंने परिवार के साथ बैठकर देखा और मुझे बहुत आनंद आया। मैं घर में यही बात कर रहा था कि यार मैं भी करने वाला था लेकिन कुछ कारणों से नहीं कर पाया। फिर जैसे ही पता चला कि इसका दूसरा सीजन भी आ रहा है तो बहुत खुश हुआ। मैंने इसमें काम किया क्योंकि यह मेरा फेवरेट शो है।'
अपने किरदार के बारे में बात करते हुए निरहुआ कहते हैं, 'मेरा किरदार ऐसा है जैसा आदमी लगभग हर गांव में मिल ही जाएगा। एक ऐसा दबंग टाइप का आदमी जिसको सब पता है कि कौन क्या करके आया है? सिस्टम कैसे चलता है? वो सब जानता है। हर जगह ऐसे लोग मिलते हैं और हमारा पाला भी बहुत पड़ता है। लोगों को देखने को मिलेगा कि गांव में दबंग आदमी असल में होता कैसा है।'
अपने किरदार की तैयारी पर निरहुआ ने कहा, 'एक्टर्स के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी रुकती नहीं है। हां कुछ किरदारों के लिए ज्यादा वर्कशॉप नहीं करनी पड़ती क्योंकि रियल लाइफ में ऐसे लोग मिलते रहते हैं। हम अभिनेताओं की पढ़ाई 24 घंटा चलती रहती है।

22 साल बाद अक्षय के साथ काम करने पर बोलीं रवीना टंडन

रवीना टंडन और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, लंबे वक्त से दोनों ने साथ में कोई फिल्म नहीं की थी। दो दशक बाद इन्हें बड़े परदे पर देखा गया है।अभिनेत्री ने खिलाड़ी के साथ रीयूनियन को लेकर बात की और उन्होंने एक्टर के मेहनती रवैये की दिल खोलकर तारीफ की। रवीना टंडन ने समाचार एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार की जमकर तारीफ की। रवीना ने अक्षय को सेट पर सबसे मेहनती और समर्पित कलाकारों में से एक बताया। अपने पुराने साथ काम करने के अनुभवों को याद करते हुए रवीना ने कहा कि इतने वर्षों के बाद भी अक्षय का काम के प्रति समर्पण और काम करने का तरीका बिल्कुल वैसा ही है।

वे सफलता के हकदार हैं

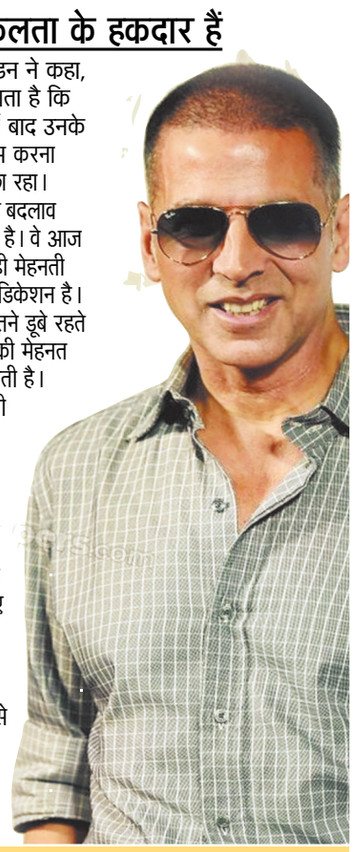

रवीना टंडन ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने वर्षों बाद उनके साथ काम करना बहुत अच्छा रहा। उनमें कोई बदलाव नहीं आया है। वे आज भी उतने ही मेहनती हैं। वही डेडिकेशन है। काम में इतने डूबे रहते हैं कि उनकी मेहनत साफ दिखती है। उन्हें जो भी सफलता मिलती है, वह उसके हकदार हैं, क्योंकि वह सच में उसके लिए मेहनत करते हैं। उन्हें यह आसानी से नहीं मिलती'।

अक्षय और रवीना की फिल्में

रवीना और अक्षय ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें 'मोहरा', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'दावा', 'कीमत– दे आर बैक' और 'बारूद' आदि शामिल हैं। इस जोड़ी की 'मोहरा' और 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रहीं। 'मोहरा' 1994 में रिलीज हुई थी। इसे राजीव राय ने डायरेक्ट किया था और इसमें नसीरुद्दीन शाह और सुनील शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में थे। दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' 1996 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रेखा भी मुख्य भूमिका में थीं। इन दोनों ने आखिरी बार 2004 में 'पुलिस फोर्स – एन इनसाइड स्टोरी' और 'आन' फिल्मों के लिए साथ काम किया था।

अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर शुभांगी अत्रे अपने अनुभव साझा किए

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहीं शुभांगी अत्रे ने बातचीत में अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह अकेलापन सिर्फ भीड़ या लोगों की कमी से नहीं होता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत की कमी से होता है।

शुभांगी अत्रे ने कहा, ''मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं, जो सच में मुझसे पूछते हैं, 'आप कैसी हैं?' और जवाब का इंतजार भी करते हैं। किसी इंसान के लिए सबसे बड़ा सुकून यही होता है कि कोई उसे बिना टोके, बिना जज किए ध्यान से सुने। कई बार सलाह से ज्यादा राहत सिर्फ सुन लिए जाने से मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, 'अकेलापन अक्सर इस वजह से महसूस होता है क्योंकि लोगों के बीच बातचीत तो होती है, लेकिन वह गहराई नहीं होती, जो दिल को छू सके। आजकल लोग एक-दूसरे से जुड़े तो रहते हैं, लेकिन बातचीत अक्सर सतही रह जाती है। ऐसे में इंसान भीड़ में रहते हुए भी खुद को अकेला महसूस कर सकता है। मेरा मानना है कि एक खुली बातचीत, जिसमें व्यक्ति अपने असली विचार और भावनाएं बिना डर के रख सके, वह कई रिश्तों से ज्यादा कीमती होती है।''
सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ''आज के समय में लोग एक-दूसरे की जिंदगी से तो वाकिफ रहते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं से नहीं। हम यह तो देख लेते हैं कि सामने वाला क्या कर रहा है, कहां घूम रहा है या क्या पोस्ट कर रहा है, लेकिन यह नहीं जान पाते कि वह अंदर से क्या महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को ज्यादा विजिबल बना दिया है, लेकिन महसूस करने और समझने वाली गहराई कम हो गई है। असली बातचीत अभी भी स्क्रीन से दूर ही होती है।'' रिश्तों को लेकर उन्होंने कहा, ''आज के समय में सच्चे और भरोसेमंद रिश्ते बनाना आसान नहीं है। भरोसा, समझ और अपनापन धीरे-धीरे बनता है और इसके लिए समय और धैर्य दोनों की जरूरत होती है। जीवन में वही लोग सबसे अहम होते हैं जो अच्छे और बुरे दोनों समय में साथ खड़े रहते हैं। ऐसे रिश्ते ही इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं और अकेलेपन को दूर करते हैं।'' उन्होंने निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, ''मेरी बेटी आशी मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह 19 साल की हैं और काफी समझदार हैं। वह हमेशा मेरा हालचाल लेती रहती हैं और मेरा ख्याल रखती हैं। मेरे कुछ करीबी लोग भी हैं जिनके कारण मुझे अकेलापन महसूस नहीं होता।''

नेपोटिज्म पर बोलीं कृति सेनन

कृति सेनन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म को दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है और कृति के किरदार व एक्टिंग की भी काफी तारीफ हो रही है। मौजूदा वक्त में कृति इंडस्ट्री की टॉप लीडिंग एक्ट्रेस में से एक हैं। लेकिन एक आउटसाइडर होने के नाते कृति के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा।
कृति ने अपने सफर को याद करते हुए कहा कि यह सफर आसान नहीं था। ऐसे पल भी आए जब मुझे खुद पर शक हुआ और मनचाहे मौके न मिलने पर निराशा हुई। यह सफर सीधे कामयाबी तक पहुंचने वाला नहीं था; यह धीरे-धीरे आगे बढ़ा। मैंने उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन मुझमें हार न मानने और दोबारा कोशिश करने का जज्बा भी रहा है। मेरा पहला फोटोशूट बहुत बुरा रहा था। मेरा पहला रैंप शो भी अच्छा नहीं हुआ था। दोनों बार मैं रोते हुए घर लौटी थी। लेकिन इसके बावजूद मैंने दूसरे शो, दूसरे फोटोशूट और दूसरे ऑडिशन के लिए कोशिश की और इसी वजह से मैं आज यहां तक पहुंच पाई हूं। सीखने की चाहत और हार न मानने का जज्बा ही मुझे यहां तक ले आया है।

टैलेंटेड हैं रणबीर और आलिया

इस दौरान कृति ने नेपोटिज्म के बारे में भी बात की। उनका मानना है कि भले ही स्टार किड्स को भी रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जैसे एक्टर्स की तरह खुद को साबित करना पड़ता है, लेकिन वे इस बात से सहमत हैं कि उन्हें अक्सर बाहरी लोगों की तुलना में बहुत आसानी से मौके मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार आपको पता चलता है कि किसी फिल्म के लिए आप पर विचार किया जा रहा है, लेकिन वह रोल किसी और को मिल जाता है। साथ ही सवाल सिर्फ नेपोटिज्म का नहीं है। फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाले कई एक्टर्स सच में टैलेंटेड होते हैं। चाहे रणबीर कपूर हों या आलिया भट्ट, उन्होंने खुद को साबित किया है। हो सकता है कि उन्हें दूसरों के मुकाबले आसानी से मौके मिले हों, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की है और वे बहुत टैलेंटेड हैं। असल बात तब होती है, जब कोई बिना एक्टर के तौर पर खुद को साबित किए आठ या नौ साल तक मौके पाता रहता है। मुझे बस यही बात गलत लगती है। जब आप फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते हैं, तो अगर आप शुरुआती कुछ साल में खुद को साबित नहीं कर पाते, तो आप बाहर हो जाते हैं। आपको नजरअंदाज कर दिया जाता है।

...अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं

'कोई... मिल गया', 'जोड़ी नंबर 1', 'इंडियन', 'रक्त' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता रजत बेदी ने अपना 54वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर उन्होंने बात की और अपनी जिंदगी, करियर, फिटनेस और बदलते मनोरंजन जगत को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि आने वाला समय उनके लिए काफी खास रहने वाला है और दर्शकों को जल्द ही उनका एक नया रूप देखने को मिलेगा।

जब उनसे पूछा कि क्या उनकी जिंदगी में कोई ऐसा अनुभव रहा है, जिसने सब कुछ बदल दिया हो, तो रजत बेदी ने कहा, ''मुझे इस साल ऐसा महसूस हो रहा है कि मेरी जिंदगी में बहुत कुछ बदलने वाला है। अब तक मैंने जिन किरदारों को निभाया है, आने वाले समय में उनसे बिल्कुल अलग भूमिकाएं करने वाला हूं। कुछ ऐसे सपने थे जिन्हें मैं पहले पूरा नहीं कर पाया था, लेकिन अब उन्हें साकार करने का मौका मिल रहा है। मेरा वादा है कि आने वाली फिल्मों में दर्शकों को एक बिल्कुल अलग रजत बेदी देखने को मिलेगा।''
अभिनेता ने कहा, ''इस समय मेरा कॉन्फिडेंस लेवल बहुत ऊंचा है और मेरे भीतर काम को लेकर एक नई ऊर्जा है। पहले मैंने इंडस्ट्री में कुछ मौके खोए थे, लेकिन अब नए किरदारों के जरिए दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं।''
इंडस्ट्री में करियर बनाने आ रहे नए कलाकारों को सलाह देते हुए रजत बेदी ने कहा, ''किसी को भी लोगों की बातों में नहीं आना चाहिए। इंसान को हमेशा अपने दिल की सुननी चाहिए। एक समय ऐसा था, जब मैं दूसरों की बातों में आकर खुद को मायूस करने लगता था। अब मैंने सीख लिया है कि जीवन में सबसे जरूरी अपनी सोच और अपने दिल की आवाज पर भरोसा करना है। मैं भविष्य में वही करूंगा, जो मेरा दिल कहेगा और दूसरों की राय को खुद पर हावी नहीं होने दूंगा।''
रजत बेदी ने युवाओं को स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा महत्व देने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ''अच्छी सेहत जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए रोजाना व्यायाम करें और अपने खानपान पर खास ध्यान दें। भोजन में पौष्टिक और स्वस्थ चीजों को शामिल करना बेहद जरूरी है। अगर शरीर स्वस्थ रहेगा तो व्यक्ति अपने जीवन और करियर में बेहतर ध्यान दे पाएगा।'

बेहद साफ दिल के इंसान हैं संजय दत्त

रजत कहा 'मैंने सलमान खान, सुनील शेट्टी और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है, और ये सभी मेरे लिए खास रहे हैं। लेकिन अगर सबसे पसंदीदा कलाकार की बात करें तो संजय दत्त का नाम सबसे ऊपर आता है। वह बेहद साफ दिल के इंसान हैं, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आती है। संजय दत्त के साथ बिताए गए पल आज भी मेरे चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं।' सोशल मीडिया के दौर में कलाकारों की निजी जिंदगी पर लगातार नजर रखे जाने के सवाल पर रजत बेदी ने कहा, ''मैं मानता हूं कि आज के समय में सितारों की निजी जिंदगी पहले के मुकाबले काफी कम रह गई है। अब लगभग हर व्यक्ति सोशल मीडिया से जुड़ा हुआ है। ऐसे में कोई भी छोटी या बड़ी बात बहुत जल्दी इंटरनेट पर पहुंच जाती है और लोगों के बीच फैल जाती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।